रोहतक
सोमवार, 11 अगस्त 2025
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष,
द्वितीया वर्ष : 29, अंक : 192
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 37.6
न्यून. 24.2

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 निशा और मुस्कान ने जीता गोल्ड, भारत के नाम रहे 9 पदक

खबर संक्षेप

काशी विश्वनाथ मंदिर प्लास्टिक फ्री हुआ

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर ने अपने परिसर को प्लास्टिक फ्री बनाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। 10 अगस्त से मंदिर परिसर में प्लास्टिक से बने सभी सामानों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया है। *एजेंसी*

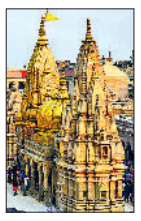

मणिपुर के तीन जिलों से छह उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के विभिन्न जिलों से सुरक्षाबलों ने पांच प्रतिबंधित संगठनों के छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पिछले दो दिन में बिष्णुपुर, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों में अलग-अलग अभियानों में उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित ताइबांगनगांबा की एक सक्रिय महिला सदस्य को चिंगमेइरोंग से गिरफ्तार किया गया। केसीपी के एक सदस्य को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। एजेंसी

10वीं और 12वीं की आंसरशीट का होगा डिजिटल मूल्यांकन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय सीबीएसई के शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की बैठक में लिया गया। सदस्यों ने सुझाव दिया कि बोर्ड के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में पायलट परियोजनाएं पूरी होने के बाद ही सभी विषयों में मूल्यांकन लागू किया जाए। *(विस्तृत पेज 5 पर)* *एजेंसी*

डिजिटल अरेस्ट कर महिला से करोड़ों ठगे

मेंगलुरु। कर्नाटक के मेंगलुरु में एक सेवानिवृत्त महिला से 'डिजिटल अरेस्ट' मामले में साइबर अपराधियों ने 3.09 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने बताया कि लेनी प्रभु नामक पीड़िता ने बताया कि उनको कॉल पर बताया कि उनके नाम से चीन भेजा गया एक पार्सल रोक लिया गया है, जिसमें 150 ग्राम एमडीएमए है। फोन करने वाले ने धमकाकर और डराकर ठगी की। *एजेंसी*

सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करेगा सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) जल्द ही अपने छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों के लिए विशेष रूप से एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन शुरू करेगा। इस प्रस्ताव को बोर्ड की हाल ही में हुई शासी निकाय की बैठक में मंजूरी दी गई और बैठक में लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। *एजेंसी*

दो कंपनियों में रकम लगाई, इससे प्रॉपर्टी खरीदी

रॉबर्ट वाड्रा पर कसा शिकंजा : ईडी ने दाखिल की चार्जशीट, 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/चंडीगढ़

जो जमीन 15 करोड़ की थी, वह 7.5 करोड़ में खरीदी और डीएलएफ को 58 करोड़ में बेच दी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी का आरोप है कि वाड्रा ने गुरुग्राम की जमीन से 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। ईडी के मुताबिक, वाड्रा ने गुरुग्राम में 3.5 एकड़ जमीन रिश्वत के रूप में ली थी। इसके लिए उन्होंने 7.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। बाद में इस जमीन को डीएलएफ कंपनी को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया। एजेंसी का कहना है कि वाड्रा ने इस सौदे से मिले 58 करोड़ रुपये में से 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए कमाए। ये दोनों कंपनियां वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी हैं।

ये रहा घटनाक्रम

- **2006–2008:** जमीन खरीद, लाइसेंस के लिए आवेदन, गलत जानकारी देकर फाइल पास कराना।
- **2008–2012:** डीएलएफ से करोड़ों की पेमेंट, लाइसेंस जारी और नवीनीकरण, आखिर में जमीन 58 करोड़ में डीएलएफ को बेचना।
- **2013:** ऑडिट में पूरी प्रक्रिया में गड़बड़ियों की पोल खुली।

वाड्रा पर यह आरोप

ईडी ने पीएमएलए के तहत रॉबर्ट वाड्रा, सत्यानंद यजी, केवल सिंह विर्क और कई कंपनियों पर कार्रवाई करते हुए चार्जशीट दाखिल की है। आरोप है कि वाड्रा की कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने यह जमीन 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी, जबकि असली कीमत करीब 15 करोड़ रुपये थी। पेमेंट चेक से दिखाया गया लेकिन एन्कैश नहीं हुआ, जिससे करीब 45 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी बचाई गई। ईडी का दावा है कि यह डील दरअसल एक रिश्वत थी, जिसके तहत तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के जरिए लाइसेंस दिलाने के बदले जमीन ट्रांसफर हुई। बाद में एसएलएचपीएल को नियम तोड़कर कमर्शियल कॉलोनी डेवलपमेंट लाइसेंस मिला और यह जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दी गई।

लाइसेंस में नियमों की अनदेखी

ईडी के सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला कि एसएलएचपीएल के पास लाइसेंस के लिए जरूरी 2 एकड़ जमीन नहीं थी, सिर्फ 1.35 एकड़ कमर्शियल जोन में थी। इसके बावजूद, डीटीसीपी अधिकारियों ने सेक्टर रोड की जमीन जोड़कर लाइसेंस मंजूर कर दिया।

अपराध से जुड़ी कमाई का लगाया आरोप

ईडी ने आरोप लगाया कि यह रकम ऐसे स्रोत से आई, जिसे पहले से अपराध घोषित किया गया है। वाड्रा ने इस राशि का इस्तेमाल संपत्तियां खरीदने, निवेश करने और कंपनियों के कर्ज चुकाने में किया। यह केस हरियाणा के गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में जमीन की खरीद-बिक्री और लाइसेंस जारी करने में हुई कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है। 1 सितंबर 2018 को हरियाणा पुलिस ने गुरुग्राम के खेड़की दौला थाने में एफआईआर दर्ज की थी, इसमें रॉबर्ट वाड्रा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, डीएलएफ और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्रा. लि. समेत अन्य पर धोखाधड़ी, साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इस मामले में ईडी ने वाड्रा की कुछ संपत्तियां भी अटैच दी थीं।

पूछताछ, बयान और सजा की संभावना

गुरुग्राम जमीन सौदे की जांच में ईडी ने वाड्रा से दो बार बयान दर्ज किए- पहला 15 अप्रैल 2025 को और दूसरा 16 अप्रैल 2025 को। सूत्रों के अनुसार, वाड्रा ने कई सवालों के सीधे जवाब देने से बचते हुए जिम्मेदारी दिवंगत सहयोगियों एच.एल. पाहवा, राजेश खुराना और महेश नागर पर डाल दी, लेकिन सबूत पेश नहीं कर पाए। ईडी ने वाड्रा पर पीएलएलए की कई धाराएं लगाई हैं, जिनमें मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप साबित होने पर 3 से 7 साल की जेल और अपराध से अर्जित संपत्ति जब्त करने की सजा हो सकती है।

ट्रंप के डेड इकोनॉमी बयान पर मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति पर परोक्ष हमला

भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था शीर्ष तीन में जगह बनाने की ओर अग्रसर

बेंगलुरु (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और यह गति ''सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन'' की भावना से हासिल की गई है। मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गई है और तेजी से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधे जाने के कुछ दिन बाद आई है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ लगाते हुए भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। ट्रम्प ने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। यहां बेंगलुरु मेट्रो चरण-3 परियोजना की आधारशिला रखने और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने तथा मेट्रो रेल 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को रेखांकित किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियों ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें यह गति कैसे मिली? हमें यह सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से मिली है।

ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली
■
भारतीय सैनिकों की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा
■
आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को किया मजबूत

3 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रागिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारतीय प्रौद्योगिकी और 'मेक इन इंडिया' का हाथ

मोदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय प्रौद्योगिकी और 'मेक इन इंडिया' का हाथ था, जिसने कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। मोदी ने कहा कि दुनिया ने पहली बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत का नया चेहरा देखा, जब उसने पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पहली बार भारत का नया चेहरा देखा, जहां भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें नष्ट किया। *(संबंधित खबर पेज-5 पर)*

मिशन निसार के बाद बड़ी छलांग

इसरो करेगा 6500 किलो के अमेरिकी सैटेलाइट को लॉन्च

30 जुलाई को जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिये होगा प्रक्षेपण

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अगले कुछ महीनों में अमेरिका निर्मित 6,500 किलोग्राम वजन वाले संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को यह जानकारी दी। नायारणन ने चेन्नई के पास कट्टनकुलथुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 30 जुलाई को जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिये नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) मिशन के ऐतिहासिक प्रक्षेपण के बाद इसरो अमेरिका निर्मित एक और उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करेगा। कट्टनकुलथुर में एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के 21वें दीक्षांत समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नारायणन को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से नवाजा।

30 जुलाई 2025 का दिन एतिहासिक

इसरो प्रमुख ने अपने संबोधन में याद दिलाया कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी की स्थापना 1963 में हुई थी और उस समय देश विकसित देशों से छह-सात साल पीछे था। उन्होंने कहा, "उसी साल अमेरिका ने एक छोटा रॉकेट दान किया था, जिससे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। वह 21 नवंबर 1963 का दिन था।" नारायणन ने कहा कि 1975 में अमेरिका की ओर से उपलब्ध कराए गए उपग्रह डेटा के माध्यम से इसरो ने छह भारतीय राज्यों के 2,400 गांवों में 2,400 टेलीविजन सेट लगाकर 'जनसंचार' का परीक्षण किया था। उन्होंने कहा, "उसके (एक साधारण शुरुआत) बाद 30 जुलाई 2025 का दिन भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक दिन था। हमने निसार उपग्रह प्रक्षेपित किया है।

इंडिगो ने दी खराब सीट, देना पड़ा 1.5 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के एक उपभोक्ता मंच ने इंडिगो एयरलाइन को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। यह मामला एक महिला को गंदे और दागदार सीट पर बैठने के कारण हुई परेशानी से जुड़ा है। फोरम ने एयरलाइन को 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, ताकि उस महिला को हुई असुविधा, दर्द और मानसिक पीड़ा की भरपाई की जा सके। इसके साथ ही, फोरम ने 25,000 रुपये मुकदमे की लागत के रूप में देने का भी आदेश दिया। आयोग ने कहा कि एयरलाइन ने 'सिचुएशन डाटा डिस्प्ले' रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की, जो कि विमान संचालन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है और यात्रियों से संबंधित घटनाओं को दर्ज करने के लिए प्रयोग होता है। फोरम ने कहा, इस रिपोर्ट का कोई जिक्र न तो लिखित बयान में है और न ही एयरलाइन द्वारा पेश किए गए सबूतों में। एयरलाइन ने जवाब में कहा कि उन्होंने पिंकी की परेशानी को गंभीरता से लिया और उन्हें दूसरी सीट दी, जिस पर बैठकर उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की।

महिला यात्री की यह थी शिकायत

नई दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिंकी नाम की महिला की शिकायत पर यह फैसला सुनाया। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक 'अस्वच्छ, गंदी और दागदार' सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया।

हरियाणा में फिर भूकंप के झटके, झज्जर रहा केंद्र

झज्जर (हरिभूमि न्यूज)। झज्जर में रविवार को शाम 4:10 बजे भूकंप के झटके लगे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर का गांव बीड़ सुनार रहा। जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में हलचल हुई। इससे लोगों के घरों में दरारें आ गईं। अचानक धरती हिलने से शहरवासियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में आ गए। हालांकि, भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। प्रदेश में 45 दिन में 7वीं बार भूकंप आया है। 17 जुलाई को भी झज्जर में भूकंप आया था।

हरियाणा में क्यों आ रहे बार-बार भूकंप

भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक उत्तराखंड के देहरादून से लेकर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले तक जमीन के नीचे एक फॉल्ट लाइन है। इसमें जब प्लेट मूवमेंट होती है तो इसके आपस में टकराने से कंपन पैदा होता है। जिससे भूकंप के झटके महसूस होते हैं।

गृह मंत्रालय का अफसर बताकर नौकरी-ट्रांसफर के नाम पर पैसे ऐंठे

गुरुग्राम में 12वीं पास फर्जी आईएएस अधिकारी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पुलिस ने एक फर्जी आईएएस अधिकारी को पकड़ा है। आरोपी युवक खुद को गृह मंत्रालय का अधिकारी बताकर लोगों से नौकरी लगवाने और ट्रांसफर करवाने के बदले पैसे ऐंठता था। युवक के पास से पुलिस ने एक गाड़ी भी बरामद की है। उस पर नीली बत्ती लगी हुई है, साथ ही गवर्नमेंट ऑफ इंडिया भी लिखा हुआ है।

आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के रघुईपुर गांव निवासी जय प्रकाश पाठक (31) के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया है कि वह 12वीं पास है। थाना पालम विहार पुलिस ने युवक के खिलाफ फर्जी अधिकारी बनकर लोगों से धोखाधड़ी करने, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। कोर्ट में पेश कर उसे 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

भारत सरकार लिखी गाड़ी घुमाता, यूपी के प्रतापगढ़ का रहने वाला

ढाई लाख कैश समेत डॉक्यूमेंट मिले

थाना पालम विहार के एसएचओ बिजेंद्र सिंह ने बताया कि टीम ने उसके कमरे की तलाशी ली तो वहां रखी एक टेबल से 2.50 लाख कैश, 2 आईडी आईडी कार्ड, एक आईडी कार्ड का स्ट्रैप (गृह मंत्रालय लिखा हुआ), 1 एडिशनल इंस्पेक्टर के ट्रांसफर से संबंधित लेटर, 1 फर्जी आर्म्स लाइसेंस, 6 मोबाइल, 1 लैपटॉप, 1 वॉकी टॉकी सेट, 1 आयुष्मान कार्ड, 3 आधार कार्ड, 1 एटीएम कार्ड, 1 पैन कार्ड, 1 पासपोर्ट, 2 मोहर, 1 लाल व नीली बत्ती और मकान के बाहर खड़ी 1 कार मिली। कार के आगे और पीछे भारत सरकार लिखा हुआ था।

शकुन रानी के 'दोहरे मतदान' का दावा राहुल गांधी को पड़ा भारी, चुनाव आयोग ने नोटिस भेज मांगा सबूत

नई दिल्ली (भाषा)। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी कर उनसे वे दस्तावेज साझा करने को कहा, जिनके आधार पर उन्होंने आरोप लगाया था कि एक महिला ने दो बार मतदान किया। राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने गांधी से कहा कि ये दस्तावेज उनके कार्यालय को विस्तृत जांच करने में मदद करेंगे। गांधी ने पिछले सप्ताह संवाददाता सम्मेलन में ये दस्तावेज दिखाए थे। नोटिस में कहा गया, ''आपने (राहुल गांधी) यह भी कहा है कि मतदान अधिकारी द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, श्रीमती शकुन रानी ने दो बार मतदान किया था... पूछताछ करने पर, श्रीमती शकुन रानी ने बताया है कि उन्होंने केवल एक बार मतदान किया है, दो बार नहीं, जैसा कि आपने आरोप लगाया है।''

एक महिला के दो बार वोट देने के दावे के समर्थन वाले दस्तावेज साझा करें गांधी ने पिछले सप्ताह संवाददाता सम्मेलन में ये दस्तावेज दिखाए थे

कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जाएगी

नोटिस में कहा गया है कि सीईओ कार्यालय द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि कांग्रेस नेता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था। इसमें कहा गया है, ''अतः आपसे अनुरोध है कि वे प्रासंगिक दस्तावेज उपलब्ध कराएं जिनके आधार पर आपने यह निष्कर्ष निकाला है कि श्रीमती शकुन रानी या किसी अन्य ने दो बार मतदान किया है, ताकि इस कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।''

हरियाणा चुनाव आयोग का राहुल को नोटिस 10 दिन में मांगा जवाब

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर हरियाणा चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास की ओर से जारी नोटिस में 10 दिन में जवाब देने को कहा गया है। राहुल ने 7 अगस्त को आरोप लगाते हुए कहा था कि 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 8 सीटों पर महज 22779 वोट से पूरा चुनाव हार गई। विधानसभा में एक लाख वोट बढ़ गए, बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ, एक विधानसभा सीट पर 12 से 15 फीसदी वोट बढ़ गए, जो कि जीत में बड़ी अहमियत रखते हैं।

विवाद चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दी जानकारी, दाखिल किया हलफनामा

बिहार मसौदा मतदाता सूची से बिना सूचना और कारण के नाम नहीं हटाया जाएगा : चुनाव आयोग

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम किसी पूर्व सूचना के बिना, उसे अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किये बगैर और तर्कसंगत आदेश जारी किए बिना नहीं हटाया जाएगा। उसने यह भी कहा कि वैधानिक व्यवस्था के अनुसार, मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए लोगों के नामों की कोई अलग सूची तैयार करना आवश्यक नहीं है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में बहुप्रतीक्षित मसौदा मतदाता सूची जारी करने के कुछ दिन बाद शनिवार को उच्चतम न्यायालय में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया। संबंधित सूची में 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं लेकिन 65 लाख से अधिक नामों को हटा दिया गया है।

65 लाख से अधिक नामों को सूची में से हटाने पर विवाद

अपना जवाब दाखिल किया

सूची से हटाए गए व्यक्तियों के बारे में आयोग ने दावा किया था कि संबंधित व्यक्तियों में से अधिकतर या तो मर चुके हैं या पलायन कर चुके हैं। इसके अलावा, निर्वाचन आयोग ने याचिकाकर्ता के एक आवेदन पर भी अपना जवाब दाखिल किया। इस आवेदन में उसे लगभग 65 लाख उन मतदाताओं के नामों और विवरण की एक पूर्ण एवं अंतिम विधानसभा क्षेत्र और भाग/बूथवार सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया था, जिनके गणना फॉर्म जमा नहीं किए गए।

याचिकाओं पर सुनवाई कर रही पीठ

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किए जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। अपने अतिरिक्त हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने कहा कि एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है और मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को विधिवत प्रकाशित कर दी गई है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह हर संभव कदम उठा रहा है।

खबर संक्षेप

राजेश को आईएएस कम्युनिटी एंड सोशल इम्पैक्ट अवार्ड

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल, आईएएस को अर्बन सस्टेनेबिलिटी में नवाचारी शासन हेतु उत्कृष्ट योगदान के लिए, कम्युनिटी एंड सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गत दिवस नई दिल्ली में आयोजित दूसरे सस्टेनेबल एग्रीकल्चर समिट एंड अवार्ड्स 2025 के दौरान प्रदान किया गया। सस्टेनेबिलिटी मैटर्स और इंडियाग्री द्वारा आयोजित, तथा ग्रे मैटर्स कम्युनिकेशंस द्वारा पार्टनर किए गए इस सम्मेलन में देशभर से कृषि क्षेत्र के नेता, नवाचार कर्ता और परिवर्तनकारी व्यक्तित्व एकत्र हुए और जलवायु-स्मार्ट खेती के भविष्य पर विचार-विमर्श किया।

चुनाव से पहले वोटर लिस्ट चेक करवाई जाएगी : हुड्डा

चंडीगढ़। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभानु छिब व सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने आज गुरुग्राम में आयोजित हरियाणा यूथ कांग्रेस के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत कर युवा कांग्रेस की पूरी टीम को शपथ ग्रहण करने की बधाई दी। दीपेंद्र हुड्डा ने एलान किया कि हरियाणा में एक-एक विधानसभा की वोटर लिस्ट चेक करायेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा हरियाणा में भी चुनाव को चोरी किया गया, इसके पर्याप्त सबूत हैं। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को बेनकाब कर दिया है। चुनाव आयोग से अब जवाब देते नहीं बन रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान ने देशभक्ति से ओतप्रोत किया : गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान-शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से पूरे देश को देशभक्ति की भावना में ओतप्रोत होने का अवसर प्रदान किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। गंगवा शनिवार को हिसार के बरवाला में तिरंगा यात्रा में शामिल होने उपरांत बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास, दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

अब स्योंसर में उठाएं जंगल सफारी, सरस्वती जलाशय और जैव विविधता वाटिका का लुत्फ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हरियाणा सरकार ने इस दिशा में कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं और विभिन्न पहलों व अभियानों के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे, जिसे सामूहिक प्रयासों से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र के स्योंसर में आयोजित 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सरस्वती आर्द्रभूमि जलाशय, सरस्वती पादप एवं जैव विविधता संरक्षण वाटिका और सरस्वती जंगल सफारी का शिलान्यास किया। इसके अलावा, उन्होंने 'त्रिफला' पुस्तिका का भी विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने वन विभाग द्वारा तैयार हरियाणा वाइल्ड लाइफ मैप व कुरुक्षेत्र वाइल्ड लाइफ मैप तथा 5 पुस्तकों का विमोचन किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, दायित्व और आने वाली पीढ़ियों का खुशहाल भविष्य सुनिश्चित करने के संकल्प का प्रतीक है।

कुरुक्षेत्र। स्योंसर में जंगल सफारी का शिलान्यास करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री व सांसद नवीन जिंदल को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

एजेंडा चला रहा विपक्ष

सीएम सैनी ने कहा कि विपक्ष पहले ईवीएम को दोषी ठहराता था, लेकिन आज वोट चोरी का नया एजेंडा चला रखा है। विपक्ष हमेशा सरकार के कामों की आलोचना करता है। विपक्ष की भूमिका आज चिंताजनक है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस पार्टी का 55 वर्षों तक देश में शासन रहा और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा न उतरने के कारण लोगों ने उनको बाहर का रास्ता दिखाया, वे पहले तो ईवीएम को दोषी ठहराते थे, लेकिन आज उन्होंने एक नया एजेंडा चला रखा है वोट चोरी होने का। कोई उन्हें बताए कि वोट चोरी नहीं हुए हैं, बल्कि उनके काले कारनामों के कारण लोगों ने उन्हें नकार दिया है।

प्रकृति-पर्यटन जोड़े

समारोह में सांसद नवीन जिंदल ने वृक्षारोपण का दिन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, प्रकृति और पर्यटन को एक साथ जोड़ने का अवसर है। कहा कि आज का दिन केवल वृक्षारोपण का दिन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, प्रकृति और पर्यटन को एक साथ जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। ये शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, जल स्रोतों का संरक्षण करते हैं, जैव विविधता की रक्षा करते हैं और किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में मजबूती से आगे बढ़ाया है।

पिहोवा को पर्यटन स्थल बनाएंगे : नायब सैनी

पिहोवा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिहोवा की सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर भव्य एवं दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजनाओं को सरकार अमलीजामा पहनाने का काम कर रही है। इन्हीं धरोहरों में शुमार ब्रह्मसरोवर हमारी संस्कृति की पहचान है, इसे जीवित रखना सरकार का दायित्व है। अहम पहलू यह है कि इसी ब्रह्मसरोवर व आस-पास लगभग 102 एकड़ में फैले इस तीर्थ पर देश विदेशों से प्रवासी पक्षी निर्धारित समय में भ्रमण के लिए आते है। जो इसके महत्व को दर्शाने का काम कर रहे है। इसके लिए सरकार तीर्थों पर जीर्णोद्धार कर उसे संजोकर रखने का काम कर रही है ताकि आने वाली भावी पीढ़ी इस सांस्कृतिक धरोहर को देख सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गांव थाना स्थित ब्रह्मसरोवर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी ने ब्रह्मसरोवर तीर्थ का निरीक्षण किया और राजकीय स्कूल के प्रांगण में पौधा रोपण भी किया। इस दौरान ओएसडी भारत भूषण भारती ने ब्रह्मसरोवर पर चल रहे प्रोजेक्ट की प्रगति रिपोर्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यहां पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पौधरोपण भी किया। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच द्वारा सौंपे गए मांग पत्र की सभी मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर पूरा करवाने का आश्वासन दिया, साथ ही गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपये अनुदान राशि देने की घोषणा की।

सिंचाई विभाग के एक्सईएन से ग्रामीण नाराज, शिकायत मुख्यमंत्री सैनी को भेजी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

आखिरकार भारी बारिश और चंद अफसरों की लापरवाही के कारण किसानों पर दोहरी मार पड़ गई है। बाढ़ प्रबंधन को लेकर किए जा रहे दावे पूरी तरह से फेल नजर आ रहे हैं। झज्जर में बाढ़ प्रबंधन में लापरवाही को लेकर ग्रामीणों ने सीएम, मुख्य सचिव और आला अफसरों को शिकायत भेजकर बाढ़ प्रबंधन के मामले में एक महिला अधिकारी पर निशाना साधा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाढ़ प्रबंधन में लापरवाही बरती गई और भेदभावपूर्ण कार्यशैली अपनाई जा रही है। एक एक्सईएन मैकेनिकल सिंचाई विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पिक एंड चूज वाली नीति पर काम करने की शिकायत दी है। भारी बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच मैकेनिकल सिंचाई विभाग से संबंधित कुछ अफसरों द्वारा अनदेखी करने, समय पर मोटर आदि प्रदान नहीं करने, पार्टी विशेष के लिए काम करने के कारण ज्यादा नुकसान हुआ है। छुड़ानी और आसपास के कई गांवों को लेकर क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों से भी ग्रामीणों ने संपर्क साधा है। आरोप है कि कार्यकारी अभियंता को लेकर शिकायत में भारी बारिश और जलभराव के वक्त आवश्यक संसाधनों का वितरण नहीं करने के कारण ज्यादा नुकसान हुआ है। इसका असर यह रहा है कि झज्जर जिले का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि एक महिला अधिकारी तो आए दिन देर से आने और समय से पहले चले जाने की आदि है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने हरियाणा के सिंचाई मंत्री और मुख्यमंत्री से मांग की है कि एक महिला अधिकारी और बाकी की गत 5 वर्षों का तकनीकी ऑडिट कराया जाए। साथ ही बाढ़ प्रबंधन में स्टाफ की नियुक्ति हो।

माजरा दूबलधन क्षेत्रों में जलभराव

माजरा दूबलधन और आसपास एरिया में जलभराव को लेकर भी ग्रामीणों ने आवाज उठाई है। गांव के राजबीर, जयभगवान जयपाल नंबरदार अन्य ने बताया कि समय रहते तालाबों और डेवालयों पर लगाए गए पंप और बाकी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किए जाने के कारण समस्या बढ़ती चली गई लेकिन सुनने के लिए कोई भी तैयारी नहीं था।

छुड़ानी में जलभराव से धान की फसल बर्बाद

नाराज ग्रामीणों की सुनवाई करने और मौके पर जायजा लेने के लिए पहुंचे डॉ. रघुबीर कादियान ने पूरे मामले में लापरवाही करने वाले अफसरों को लेकर नाराजगी जाहिर की। साथ ही कहा कि वे किसानों की आवाज को पूरी तरह से विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान उठाने का काम करेंगे। उन्होंने छुड़ानी गांव और आसपास के एरिया में ग्रामीणों से हालचाल जाना और नुकसान का जायजा लेकर अफसरों से बातचीत की है।

एचएसएससी फॉरेस्ट रेंजर और डिप्टी फॉरेस्ट रेंजर के लिए पीएमटी एवं पीईटी आज से

आयोग अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने किया केंद्र का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के ग्रुप 7 फॉरेस्ट रेंजर व ग्रुप 45 डिप्टी फॉरेस्ट रेंजर के लिए शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) व शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) का आयोजन 11 अगस्त से होगा। पीएमटी पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम, सेक्टर-3 व पीईटी जल्ला पुलिस बैरियर, नाका, पंचकूला में होगा। अभ्यर्थियों को प्रातः 8:00 बजे तक केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है, विलंब पर प्रवेश नहीं मिलेगा। पीएमटी में ऊंचाई जैसे मानकों की जांच होगी, जबकि पीईटी में दौड़ व अन्य निर्धारित परीक्षण होंगे। प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड व वैध फोटो पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि लाना आवश्यक है। मोबाइल, ईयरफोन, स्मार्ट वॉच आदि प्रतिबंधित रहेंगे।

चुनाव आयोग तथ्यों पर दे जवाब : सैलजा

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा है कि भारत का लोकतंत्र पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनता के विश्वास पर टिका है। इसी मूल भावना के तहत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के गंभीर मुद्दे को देश के सामने रखा है। यह कोई कल्पना या भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि छह महीने की गहन जांच और स्वयं चुनाव आयोग द्वारा जारी आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर सामने आया तथ्य है। कांग्रेस चुनाव आयोग से अपेक्षा करती है कि वह लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में संवैधानिक जिम्मेदारी निभाए और बिना किसी दबाव के पारदर्शी जांच व जवाबदेही सुनिश्चित करे।

संविधान का सम्मान हमारी जिम्मेदारी : सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

केंद्रीय ऊर्जा मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने कहा कि संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है, इसलिए संविधान के सम्मान की सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी है। संविधान निर्माता बाबा साहेब बीआर अंबेडकर ने संविधान के जरिये दलितों को आगे बढ़ने का अधिकार दिया और उन्हें समाज में समानता और शिक्षा का अधिकार मिला। वे रविवार के इस्माईलाबाद ठसकां रोड पर स्थित प्रीत पैलेस में संविधान स्वाभिमान-सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। समारोह में पहुंचने पर बुजुर्गों व महिलाओं ने फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। वहीं, समारोह में युवाओं ने समाज में भाईचारा सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

दलितों ने वोट से कांग्रेस को जवाब दिया

सुदेश ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान सम्मान के नाम पर दलितों को गुमराह करने का जो षड्यंत्र रचा था, उसका वोट की चोट के साथ जवाब दिया गया। कांग्रेस झूठ का नेरेटिव फैला रही है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी संविधान निर्माता को सम्मान नहीं दिया। संविधान निर्माता को साजिश के तहत हर चुनाव हराया, बल्कि उन्हें भारत रत्न से भी वंचित रखा।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पादरा रोड, वडोदरा–390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा–कुर्ला कॉम्पलैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी-सह-आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदारों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (''आईसीआईसीआई बैंक'') से उनको उपलब्ध करवाई गई स्वर्ण आभूषणों के तहत सुविधा (''सुविधा'') के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। हम गिरवी रखे गये स्वर्ण आभूषणों की 21 अगस्त 2025 को एक ई-नीलामी आयोजित करने के लिये बाध्य हैं क्योंकि वे बकाया राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के ई-नीलामी तिथि को परिवर्तित करने / अकाउंट को हटाने के लिये अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12:30 बजे से अप. 3:30 बजे के बीच https://jewel-auction.procuretiger.com पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट लॉगइन करें। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी शर्तें कानूनी वारिसों के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : आदमपुर	
085962005411	सुरेन्द्र ना
085962006416	निर्मल सिंह
085962007070	श्याम सुन्दर
शाखा का नाम : अग्रोहा	
093357000107	इन्द्र चंद
093357000096	सुगित
093362005163	अमनदीप
शाखा का नाम : असंध	
215862003153	हरिओम हरिओम
215862003445	काफी देवी
215862003681	जसपाल सिंह
शाखा का नाम : बाबियां	
215362002551	चलती देवी
215362003060	सुरेश*
शाखा का नाम : बालसमंद	
661262600225	रामप्रताप
शाखा का नाम : बराड़ा, हरियाणा	
359562002270	सीमा देवी
359562002739	पूनम कालरा
शाखा का नाम : बरवाला – मेन मार्केट	
396762000830	सोनिया देवी
396762001155	अजय ए
396762001170	शालु शालु
शाखा का नाम : बरवाला, हरियाणा	
359062000947	जसविन्दर कौर
359062000950	जसविन्दर कौर
359062002575	संदीप संदीप
359062002585	दीपचंद
शाखा का नाम : बावल	
349857000111	रविन्दर कुमार
349862000612	दिलबाग सिंह
शाखा का नाम : बेरी	
403762000660	आशीष
403762000627	देवेन्द्र देवेन्द्र
शाखा का नाम : भट्टू मण्डी, हरियाणा	
359362003232	रामनिवास रामनिवास
शाखा का नाम : भिवानी	
072962003740	रविन्दर रविन्दर
शाखा का नाम : भुना	
383262002172	बजरंग लाल
शाखा का नाम : बीश्वल	
373562000284	राकेश पुत्र रामकिशन
शाखा का नाम : बिलासपुर – सरस्वती मार्केट	
383362001481	जसविन्दर संधु
383362001440	सुनील कुमार
शाखा का नाम : चरखी दादरी	
211162001606	अरूण वर्मा
211162002410	धर्मेन्द्र*
शाखा का नाम : चीका	
086062006147	मोनिका मोनिका
शाखा का नाम : धारूहेड़ा	
162962002293	अभिजीत कुमार सिंह
162962002280	अंकित कुमार
162962002302	अशोक कुमार
162962002303	प्रदीप ना
शाखा का नाम : डींग मण्डी	
381062001306	चोटू राम
381062001462	रवि ना
शाखा का नाम : फरीदाबाद – चार्मवुड	
184262001174	अमित कुमार
शाखा का नाम : फरीदाबाद – नीलम बाटा	
661362603000	मोहम्मद सर्वर
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सैनिक कॉलोनी	
235862001139	मनीषा अरोड़ा
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सैक्टर-79	
732362000694	प्रदीप सी पी
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सैक्टर-16	
008362018839	कपिल देव
008362017768	विजय कुमार सिंह
008362018953	पराग संधु
008362018963	हरि सिंह हरितवाल
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सेक्टर-29	
140057000093	अनीश वाशिष्ट
शाखा का नाम : फतेहाबाद	
093262004432	हरविन्दर सिंह
093262006240	पवन कुमार
शाखा का नाम : गन्नौर, हरियाणा	
359262001398	गीना गीना
359262001456	विकास त्यागी
शाखा का नाम : गुड़गांव – गोल्ड सौक	
245062001032	गोड्डगु गंगाधर
शाखा का नाम : गुड़गांव – न्यु रेलवे रोड	
424462001029	अनुराधा ढाका
424462001044	नवदीप
शाखा का नाम : गुड़गांव – पालम विहार	
245257000040	शर्मिला
शाखा का नाम : गुड़गांव – सैक्टर-48	
418457000030	ब्रजपाल
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-86	
489562000078	रेनू रेनू
शाखा का नाम : गुड़गांव – टी प्वाइंट, सैक्टर-65	
724257000004	भरत मिश्रा
शाखा का नाम : गुड़गांव – बादशाहपुर	
085862002511	राजेश कुमार
शाखा का नाम : गुड़गांव – डीएलएफ	
017757000097	देवेन्द्र कुमार यादव
शाखा का नाम : गुड़गांव – सैक्टर-46	
389062000799	अनिल कुमार
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-10ए	
114662003190	आर्यन मिश्रा
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-14	
002162032449	पूजा देवी
शाखा का नाम : गुड़गांव – सुशांत लोक	
031462004700	कंचन कंचन
शाखा का नाम : गुरूग्राम – सेक्टर-37डी	
432162001142	सत्य नारायण
शाखा का नाम : गुरूग्राम – सेक्टर-5	
776362000095	रीना यादव
शाखा का नाम : हांसी	
184462003832	रामपाल रामपाल
184462004034	संजय कुमार
शाखा का नाम : हरियाणा – रेवाड़ी	
062662002937	नवीन कुमार
062662001885	रोहित सैनी
062662002574	बिरेन्द्र बिरेन्द्र
शाखा का नाम : हिसार – डिफेंस कॉलोनी	
246162000333	सुनील कुमार
शाखा का नाम : जाखल, हरियाणा	
356562001618	बूटा सिंह
शाखा का नाम : झज्जर	
140262001713	रोहित रोहित
140262002430	प्रवेश कुमार
शाखा का नाम : जीन्द	
050362004207	मनदीप मनदीप
शाखा का नाम : कैथल	
086162002799	पंकज पंकज
शाखा का नाम : कैथल-जीन्द रोड	
360262001219	अशोक कुमार
360262001837	अंजु रानी
शाखा का नाम : कालका	
086262002641	राहुल कुमार
शाखा का नाम : खरखौदा	
396862001020	जगमंदर
शाखा का नाम : कुरुक्षेत्र – पिपली रोड	
249362001714	अबुल हसन
शाखा का नाम : लाडवा, हरियाणा	
359162002793	हरविन्दर कुमार
359162003004	सीमा देवी
शाखा का नाम : महम	
382562001585	कृष्णा कृष्णा
शाखा का नाम : महेन्द्रगढ़	
219562000770	राजपाल*
शाखा का नाम : मण्डी डबवाली	
197862006423	दलविन्दर सिंह
197862006424	दलविन्दर सिंह
197862007065	गुरप्रीत सिंह
197857000145	गुरप्रीत सिंह
शाखा का नाम : मानेसर	
661862601152	विक्रम सिंह
661862601357	साहिल
शाखा का नाम : मनेठी	
480062000051	भगवान दास
शाखा का नाम : नारनौल	
159062003754	प्रवीन कुमार
शाखा का नाम : नारनौंद	
381857000115	कृष्ण कुमार
शाखा का नाम : नारनौंद	
381862000666	नीलम नीलम
शाखा का नाम : पलवल – जीटी रोड	
427462001042	दीपक दीपक
शाखा का नाम : पंचकूला – सेक्टर-25	
373762000601	सुनीता सुनीता
373762000594	सीमा सीमा
शाखा का नाम : पानीपत सेक्टर-13	
372662001063	राधे श्याम
372662001072	राधे श्याम
शाखा का नाम : पानीपत – मॉडल टाउन	
661962602453	दीपेन्दर दीपेन्दर
शाखा का नाम : रादौर	
397662000662	सुनील कुमार
397662000888	संदीप कुमार
397662001066	संजीव कुमार
397662001086	लख्मीचंद
शाखा का नाम : रोहतक	
016862006270	आशीष आशीष
शाखा का नाम : रोहतक – हिसार रोड	
662162601359	अतुल
शाखा का नाम : सफीदों	
282762002678	करण सिंह
शाखा का नाम : सांपला	
073262003228	मंजु देवी
073257000197	मोहित मोहित
शाखा का नाम : शाहबाद	
073162003630	फतेह सिंह
073162004382	हरनेक सिंह
शाखा का नाम : सिरसा	
073362002804	अमित कुमार
शाखा का नाम : सोनीपत	
030262003673	सरिता
030262003255	अमित पुरी
030262004021	तरूण तरूण
शाखा का नाम : सोनीपत-एल्डेको	
546162000034	अमित अमित
शाखा का नाम : सोनीपत – पुराना रोहतक रोड	
545862000015	रणजीत रणजीत
शाखा का नाम : सोनीपत – सेक्टर-15	
252662000342	कुलदीप मलिक
252662000883	अशोक अशोक
शाखा का नाम : टोहाना	
282862003479	सतीश कुमार
282862004072	विक्रम सिंह
शाखा का नाम : उचाना	
377262001340	मंजीत मंजीत
377262001651	नवीन नवीन
शाखा का नाम : यमुनानगर	
024762005470	सौरव सौरव
शाखा का नाम : यमुनानगर – बाईपास चौक	
254357000040	रहीश मोहम्मद
शाखा का नाम : भिवाड़ी	
050962003827	कपिल यादव
शाखा का नाम : चण्डीगढ़ – मनी माजरा	
036262004519	दीपक सिंह
शाखा का नाम : दिल्ली – नांगलोई	
235462002170	भूपेन्द्र भूपेन्द्र
235462002499	मोनू मोनू
शाखा का नाम : दिल्ली – सुल्तानपुर	
545062000039	सुमित तंवर
शाखा का नाम : नई दिल्ली – मालवीय नगर	
113662002407	विक्रम चोपड़ा
शाखा का नाम : नोएडा – सेक्टर-61	
025357000051	सीमा पाल
शाखा का नाम : सिधमुख	
672962603743	प्रवीन कुमार

दिनांक : 11.08.2025
स्थान : अम्बाला, गुरुग्राम, हिसार, जीन्द, करनाल, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, कैथल, फरीदाबाद, भिवानी, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, पलवल, महेन्द्रगढ़, यमुनानगर, रेवाड़ी, पानीपत, झज्जर, फतेहाबाद, चरखी दादरी, हरियाणा

हस्ता/-
प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पत्रकारिता पर कल होगी विधानसभा की कार्यशाला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

विधानसभा की ओर से पत्रकारिता विषयक एक दिवसीय कार्यशाला 12 अगस्त को चंडीगढ़ के सेक्टर-3 स्थित हरियाणा निवास में आयोजित की जाएगी। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की प्रेरणा से आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलेगा। कार्यशाला को लेकर पत्रकारों ने काफी उत्साह दिखाया है। इसके लिए उन्होंने बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए इच्छा प्रकट की है। कार्यशाला का शुरुआती आधा घंटा रजिस्ट्रेशन के लिए रखा गया है। कार्यशाला में शामिल होने के लिए आवेदन किया है, उन्हें परिचय पत्र और लेखन सामग्री प्रदान की जाएगी। सुबह 11 बजे विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण उद्घाटन करेंगे, जबकि डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा समापन सत्र को संबोधित करेंगे। मुख्य सचिव रहीं केशनी आनंद अरोड़ा प्रतिभागियों को विचार साझा करेंगी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने जेल में कैदियों को बांधी राखी, सुधार की प्रेरणा दी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए पानीपत के गांव सिवाह स्थित जेल का दौरा किया। यहां उन्होंने उन कैदियों के साथ यह त्योहार मनाया, जिनके पास राखी बांधने के लिए कोई अपना नहीं आया था। डा. अर्चना गुप्ता ने 100 से अधिक कैदियों को स्वयं अपने हाथों से राखी बांधी, उन्हें मिठाई खिलाई और आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने कैदी भाईयों से सतमार्ग पर चलने तथा जेल से रिहाई के बाद अच्छा नागरिक बनने का वचन लिया। उन्होंने कैदियों को समाज में हर व्यक्ति को एक नया अवसर और सुधार का मौका मिलता है।

अच्छे आचरण से जीवन बदलें कैदी

डॉ. अर्चना गुप्ता ने सभी कैदी भाईयों के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नेहा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनीता चावला ने भी कैदियों को राखी बांधी और रक्षाबंधन पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि राखी सिर्फ एक धागा नहीं है, बल्कि विश्वास और रिश्ते का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अच्छे आचरण से अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर किया स्पष्ट

चुनावी गद्दारों को कुछ नहीं देगी भाजपा, वफादारों पर इनाम की बौछार, 2088 पद भरने की तैयारी

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों का विधानसभा चुनावों के दौरान विरोध करने वालों को अब साइड लाइन करने का फरमान भाजपा हाईकमान से आ जाने के बाद में पार्टी प्रदेशाध्यक्ष ने भी साफ कर दिया है कि पार्टी के साथ में गद्दारी करने वालों के विरुद्ध एक्शन होगा। इसके साथ ही उन्हें पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल करने से भी गुरेज रखा जाएगा, जिन्होंने पार्टी के साथ में किनारा कर लिया था। इतना ही नहीं पार्टी में जुगाड़ के बल पर पद प्राप्त कर लेने वालों की छुट्टी भी तय है, साथ ही आने वाले वक्त में सरकार में सरकारी ताजपोशी प्राप्त करने वालों से भी किनारा किया जाएगा। पार्टी हाईकमान द्वारा गंभीरता दिखाए जाने और हाईकमान से मिलने वाले आदेशों के बाद में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने भी सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी डाल दी है।

बाहरी नेताओं को लेकर भी अंदरखाने नाराजगी

पुराने भाजपाइयों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पुराने पदाधिकारियों द्वारा भाजपा में बाहर से आए पदाधिकारियों, नेताओं को लेकर भी अदंर खाने नाराजगी देखी जा रही है। कई पुराने नेताओं द्वारा अपनी पीड़ा जाहिर तो की जाती है, आए दिन पार्टी संगठन के पदाधिकारियों के सामने रोना भी रोते हैं। इनका कहना है कि जमीनी हकीकत में काम करने वालों को पीछे धकेला जा रहा है, अवसरवादी और चापलूस आगे मंचों पर बैठे दिखाए देने लगे हैं। इसलिए अब कई नेताओं ने हाईकमान के सामने बात रखने की अंदरखाने तैयारी कर ली है। पंचकूला सहित कई जिलों के पुराने नेताओं और पदाधिकारियों का सुझाव है कि पार्टी हाईकमान को जनभावना और पार्टी के वफादार लोगों की पीड़ा को समझना चाहिए।

नियुक्तियों का रास्ता साफ

भाजपा जल्द ही दो हजार 88 नियुक्तियां करने की तैयारी में है, इस बारे में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने साफ कर दिया है। अब यह भी साफ हो गया है कि इसमें बाहरी और चुनाव के दौरान विरोध करने वाले तत्व शामिल नहीं होंगे। इस आदेश के बाद में पार्टी पुराने कार्यकर्ताओं और अब कामकाज करने वाले पदाधिकारियों में खुशी और उत्साह का संचार हुआ है। पुराने कार्यकर्ताओं को उम्मीद बनी है।

अहम जिम्मा मिलेगा

लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान अहम जिम्मेदारी निभाने वाले पदाधिकारियों को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। यह भी साफ कर दिया गया है, इसके लिए पार्टी हाईकमान की ओर से दिशा निर्देश मिलने के बाद में होमवर्क भी पूरा कर लिया गया है। अर्थात अवसरवादियों की छुट्टी और पार्टी के वफादारों को पुरस्कार दिए जाने की तैयारी है।

सामान्य भविष्य निधि का ब्यौरा जारी किया

चंडीगढ़। हरियाणा प्रधान महालेखाकार (लेखा और हकदारी) द्वारा हरियाणा सरकार के कर्मचारियों की वर्ष 2024 - 25 की सामान्य भविष्य निधि का ब्यौरा जारी किया गया है। प्रधान महालेखाकार द्वारा जारी इस आशय के आवश्यक परिपत्र अनुसार कर्मचारी अपने फंड की जानकारी वेबसाइट तथा एचआरएमएस कर्मचारी पोर्टल पर भी डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा महालेखाकार कार्यालय द्वारा वर्ष 2023 -24 से वार्षिक जीपीएफ का ब्यौरा डिजिटल लॉकर के माध्यम से डाउनलोड करने की सुविधा कर्मचारियों को दी गई है। परिपत्र अनुसार सभी विभागों के आहरण एवं वितरण अधिकारी कर्मचारियों के फंड की स्टेटमेंट डीडीओ कोड से भी प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी को असुविधा होती है तो हैल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद में बीटेक की छात्रा ने फंदा लगाया

फरीदाबाद। जेसी बोस वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्रा वंशिका ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय कमरे में वह अकेली थी। उसने कमरे में रहने वाली दूसरी छात्रा को कपड़े बदलने के बहाने बाहर भेज दिया था। दूसरी छात्रा आई तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से झांककर देखा तो वंशिका फंदे पर लटकी थी। इसकी सूचना हॉस्टल प्रबंधन को दी। बाद में पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव उसके परिजन को सौंप दिया। परिजन का आरोप है कि बेटी ने यह कदम एक युवक की वजह से उठाया है जो उनके पड़ोसी गांव का है। साथ ही हॉस्टल की महिला कर्मी पर भी प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। यह भी कहा है कि महिला कर्मी ने बेटी के कमरे में घुसने को लेकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया। परिजन को मौके पर अपनी बेटी का लैपटॉप और 50 हजार रुपये नहीं मिले हैं। सेक्टर-आठ थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं विवि प्रशासन ने छात्रा की मौत पर शोक जताया है।

घग्गर नदी में जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट तो किसान और ग्रामीण चिंतित

नदी के कमजोर तटबंधों के लिए प्रशासन ने 20 हजार बैग स्टोर किए

- फिलहाल लगभग 24394 क्यूसेक पानी का बहाव
- नदी की कैपिसिटी लगभग 45 हजार क्यूसेक पानी की
- नदी में पानी बढ़ा तो साथ की ड्रेन में डालने की तैयारी
- किसान बोले- हर बार गांवों व खेतों में हो जाता है जलभराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुहला चीका (कैथल)

घग्गर नदी में जल स्तर बढ़ने के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। हालांकि बाढ़ का खतरा अभी नहीं है लेकिन एहतियात के तौर पर प्रशासन ने 20 हजार बैग नदी के कमजोर तटबंध के लिए स्टोर कर लिए हैं और सभी टीमों को मुस्तैद कर दिया गया है। वहीं किसान और ग्रामीणों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गई है।

इस बारे में जानकारी देते हुए सिंचाई विभाग के अजमेर मलिक ने बताया कि घग्गर नदी में फिलहाल लगभग 24394 क्यूसेक पानी का बहाव है। उन्होंने बताया कि पहाड़ों में लगातार बरसात होने के बाद नदी में पानी पहुंचा है और अभी स्थिति नियंत्रण में है। मलिक ने बताया कि नदी की कैपिसिटी लगभग 45 हजार क्यूसेक पानी की है और इसके अलावा नदी में पानी बढ़ने पर ड्रेन और नाले के जरिए पानी निकासी की वैकल्पिक सुविधा

उपलब्ध है। फिर भी प्रशासन की टीम में मुस्तैद है और 20 हजार बैग सेफ्टी के लिए स्टोर किए गए हैं। मलिक ने बताया कि प्रशासन की टीम में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं और फिलहाल नदी का पानी कंट्रोल सिटी में बह रहा है। उन्होंने बताया कि पीछे से भी पानी की स्थिति कंट्रोल में

पानी से सारी फसल बर्बाद हो जाएगी

किसान गुरजंट टटियाना ने बताया कि घग्घर नदी का पानी अगर बाहर आ जाता है तो हमारी फसल खराब हो जाएगी। महंगे दाम से फसल लगाने का काम किया है। पानी से सारी फसल बर्बाद हो जाएगी। वहीं गांव में भी पानी आ जायेगा जिससे कहीं आ जा भी नहीं सकेंगे। ग्रामीण बलजीत सिंह ने बताया कि हर वर्ष घग्घर का पानी गांव में घुस जाता है। कई गांव ऐसे ही जहां पानी आने से नुकसान होता है।

मालूम हुई है। वहीं किसान और ग्रामीण घग्गर नदी में बढ़ रहे पानी से बहुत चिंतित है। दिन-रात किसान नदी की निगरानी करने में जुटे है।

पिता ने बेटे को गोली मारकर खुद अपने माथे पर मारी गोली

■ कलह में पिता की मौत ■ बेटे की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गांव काजलहेड़ी में रविवार को आपसी कलह के चलते एक व्यक्ति द्वारा अपने ही बेटे को गोली मारने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बेटे को गोली मारने के बाद उसने खुद के माथे में भी गोली मारकर सुसाइड कर ली। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल बेटे को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं सीन ऑफ क्राइम की टीम ने भी घटनास्थल का दौरा कर साक्ष्य जुटाए।

मिली जानकारी के अनुसार गांव काजलहेड़ी निवासी 80 वर्षीय राजाराम अपने बेटे जयसिंह के साथ गांव में रहता था, वहीं, उसकी पत्नी छोटे बेटे अनूप के साथ ढाणी में रहती थी। राजाराम और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार दोपहर को राजाराम ढाणी में गया था। उसी दौरान उसकी छोटे बेटे के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इससे तैश में आकर राजाराम ने बेटे को अपनी लाइसेंस रिवाल्वर से गोली मार दी। इसके बाद खुद के माथे में भी गोली मारकर सुसाइड कर ली। ग्रामीणों के अनुसार, राजाराम फतेहाबाद शहर में कार डीलर था। वह पुरानी गाडिय़ों की खरीद-बेच का काम करता था। वह तीन बेटे और तीन बेटियों का पिता था। उसके बड़े बेटे सुभाष का निधन हो चुका है, जबकि जयसिंह के साथ वह रहता था। तीसरा छोटा बेटा अनूप अपनी मां के साथ ढाणी में पिता से अलग रहता था। सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ढाणी में जानकारी लेने के बाद अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रवाना हो गई वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लालच पड़ा महंगा, टास्क पूरा करने के नाम पर युवक से 10 लाख ठगे

फतेहाबाद। शहर के एक युवक को पैसे कमाने का लालच महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने टास्क पूरा करने और बाद में पैसे विड्रा करने के नाम पर युवक से 10 लाख 48 हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित को जब अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला तो उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस को दी शिकायत में मातूराम कालोनी फतेहाबाद निवासी राजकुमार ने कहा है कि उसके टेलीग्राम अकाऊंट पर एक मैसेज आया जिसमें कहा गया कि उनकी कम्पनी ऑनलाइन टास्क का काम देती है। इसके बाद उक्त युवती ने उसकी आईडी जनरेट कर दी और उसे एक लिंक भेजा व कहा कि लिंक को ओपन करके उसे लाइक करना है। राजकुमार ने कहा कि इसके बाद उसने लिंक ओपन करके उस पर लाइक कर दिया। इसके बाद उसके बैंक खाते में 200 रुपये प्राप्त हुए। इसके बाद से टेलीग्राम में जोड़ दिया। उन्होनें उसे टास्क के नाम पर एक यूपीआई आईडी बैंक खाते में 1010 रुपये डलवा दिए। इसके बाद उसे एक लिंक भेजा, जिस पर क्लिक करे उसके लाईक किया तो उसके बैंक खाते में 1513 रुपये आ गए। इस कारण उसे पूरा विश्वास हो गया। राजकुमार ने कहा कि इसके बाद उनके बताए अनुसार उसने 15020 रुपये ट्रांसफर किए तो उसके आईडी में 19526 रुपये दिखाने लगा। जब वह पैसे विड्रा करने लगा तो नहीं हुए। इसके बाद उसे पैसे विड्रा करने के नाम पर 38540 रुपये डालने को कहा गया। इसी तरह आरोपी बार- बार पैसे डलवाते रहे । शिकायतकर्ता के अनुसार साइबर ठगों ने उससे कुल 10 लाख 48 हजार 276 रुपये हड़प लिए हैं।

महिला को सम्मोहित कर गहने लूटे, तीन पर केस

फरीदाबाद। सूरजकुंड थाना क्षेत्र के लक्कड़पुर इलाके में गिरोह द्वारा एक महिला को सम्मोहित कर गहने लूटने और उसकी बच्ची को ले जाने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। स्नेहलता तिवारी शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर में रहती हैं। उनके पति एक एक्सपोर्ट कंपनी में सुपरवाइजर हैं। स्नेहलता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2 अगस्त को वह दिन में अपने मायके खेड़ीपुल गई थीं।दोपहर में वहां से लौटते समय लक्कड़पुर फाटक के पास एक महिला मिली और बातचीत के दौरान उसने कोई चीज सुंघा दी। इसके बाद वह अनजाने में महिला के साथ चलने लगी। रास्ते में उनके साथ दो पुरुष भी आ मिले। तीनों मिलकर उसके गहने लूट लिए।

वाहन ने बाइक सवार फैक्ट्री कर्मी को कुचला

फरीदाबाद। सराय थाना क्षेत्र में आने वाले एनएचपीसी फ्लाईओवर पर एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जवाहर कॉलोनी में चाचा चौक पर रहने वाला अशोक नागर ने बताया कि उनका छोटा बेटा आर्यन बदरपुर स्थित फैक्ट्री में नौकरी करता था। शनिवार शाम को वह ड्यूटी से लौट रहा था। इस दौरान शाम के सात बजे एनएचपीसी पर उसको किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

जींद में डॉक्टरों से रंगदारी मांगने का मामला

आरोपी ने गूगल से नंबर निकाल कर डॉक्टरों से मांगी थी रंगदारी

जींद। पिछले दो दिनों में शहर के चिकित्सकों को फोन कर 20-20 लाख की फिरौती मांगने तथा न देने पर जाने से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान थुआ गांव निवासी अंकित के रूप में हुई है। अंकित पर पहले भी अलग-अलग थानों में चार केस दर्ज हैं। अंकित गूगल से नामी लोगों, डॉक्टरों के नंबर निकाल कर उन्हें फोन करता और फिरौती की मांग कर रहा था। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को फॉलो करता है और उसी की तरह मशहूर होने के लिए फिरौती की मांग की थी। पुलिस से बचने के लिए आरोपी भाग रहा था तो फ्लाईओवर के पास पुलिस ने दोनों तरफ से उसे घेर लिया। जिस पर आरोपी फ्लाईओवर के ऊपर से ही नीचे कूद गया। इससे उसकी टांग में फैक्चर आ गया। आरोपित को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। डीएसपी कमलदीप राणा ने बताया कि आरोपित अंकित से अन्य मामलों के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। आरोपित अंकित थुआ स्कूल टाइम से ही क्राइम की राह पर चल पड़ा था। शुरूआत में गांव में चोरी के इल्जाम लगे। अंकित ने दसवीं तक की पढ़ाई की है। आरोपित अंकित चिकित्सकों से फिरौती मांगने के बाद अपना मोबाइल फोन बंद कर लेता था।

- लॉरेंस बिश्नोई को करता है फॉलो आरोपी, पहले से चार केस दर्ज

अस्पताल में उपचाराधीन आरोपी।

हरियाणा सरकार
एक झंडा, एक पहचान – हर घर बने हिंदुस्तान
तिरंगा हमारा है अभिमान – यही तो भारत की है शान
हर घर तिरंगा
2 से 15 अगस्त, 2025
आप सभी हर घर तिरंगा अभियान में अपना योगदान दें और अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे का सम्मान करें
इस महत्वपूर्ण अवसर को यादगार बनाने के लिए राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी सेल्फी कृपया शेयर करें
सेल्फी शेयर करने के लिए क्यू आर कोड को स्कैन करें
"हर घर तिरंगा अभियान तिरंगे की शान को कायम रखने का एक अनूठा उत्सव बन गया है।"
- नरेन्द्र मोदी
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा के WhatsApp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

सरसों, मूंगफली को छोड़कर बाकी तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन को छोड़कर बाकी सभी के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों तेल के दाम आयातित खाद्य तेलों के मुकाबले 35-40 रुपये किलो अधिक रहे और इस भाव पर सरसों का खपना मुश्किल है।

मैरिको को भारतीय कारोबार दोगुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख मैरिको अगली एक या दो तिमाहियों में घरेलू बाजार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद कर रही है। मैरिको के प्रबंध निदेशक और सीईओ सौगात गुप्ता ने कहा कि मूल फ्रेंचाइज और कारोबार के विस्तार के साथ कंपनी को यह लक्ष्य हासिल होने की उम्मीद है। गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कंपनी ने घरेलू कारोबार में नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और अब मैरिको का लक्ष्य इस साल कीमतों में बदलाव के दम पर राजस्व में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हासिल करना है।

आरबीआई का सख्त नियम, बैंकों को 15 दिनों में निपटाना होगा मृत ग्राहकों के क्लेम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मृत ग्राहकों के बैंक खातों और लॉकर से संबंधित दावों का निपटान 15 दिन के भीतर करने की विशेष पहल की है।

- सत्यापन के लिए दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और नामित का वैध दस्तावेज जमा करना होगा

केंद्रीय बैंक ऐसे मामलों का तय समयसीमा के भीतर निपटारा करने और किसी भी देरी के लिए नामांकित व्यक्तियों को मुआवजा देने के लिए फॉर्म को मानकीकृत करने की योजना बना रहा है। आरबीआई ने मृत बैंक ग्राहकों के बैंक खातों और सुरक्षित जमा लॉकर में रखी वस्तुओं से संबंधित दावों के निपटान के लिए मानक प्रक्रियाएं लाने का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना है।

उद्देश्य निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना

नॉमिनी के खाते व लॉकर के लिए सभी बैंकों की अपनी प्रणाली

वर्तमान में, मृतक के 'नॉमिनी' व्यक्ति द्वारा खाते और लॉकर से संबंधित दावों के संबंध में सभी बैंकों की अपनी प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं। इसी प्रकार, बिना 'नॉमिनी' वाले खातों के लिए बैंकों की प्रक्रियाओं में कुछ भिन्नता हो सकती है। इस कदम से प्रक्रिया मानकीकृत और सरल होगी। मौजूदा निर्देशों के अनुसार, बैंकों को 'नॉमिनी' व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारियों के किए गए दावों के शीघ्र और परेशानी मुक्त निपटान की सुविधा के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता है।

नामिनी का वैध दस्तावेज जमा करना होगा

मसौदे में कहा गया है कि यदि जमा खातों या लॉकर के लिए किसी व्यक्ति को नामित किया गया है, तो उसे पहचान और पते के सत्यापन के लिए दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र (मृत ग्राहक) और नामित (नामिनी) का आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जमा करना होगा।

27 अगस्त तक टिप्पणियां मांगी

इस दिशा में, केंद्रीय बैंक ने परिपत्र का मसौदा-भारतीय रिजर्व बैंक (बैंकों के मृत ग्राहकों के संबंध में दावों का निपटान) निर्देश, 2025' जारी किया है और 27 अगस्त तक इस पर टिप्पणियां मांगी हैं। मसौदे में कहा गया, 'बैंक दावों और अन्य दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए मानकीकृत प्रपत्रों का उपयोग करेगा।'इसमें दावों के निपटान में देरी होने पर मुआवजे का भी प्रावधान है।

सरल प्रक्रिया अपनाने पर जोर

मसौदे के अनुसार, बैंक को उन जमा खातों में दावों के निपटान के लिए एक सरल प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जहां मृतक जमाकर्ता ने कोई नामांकन नहीं किया है, ताकि दावेदार या कानूनी उत्तराधिकारी को असुविधा से बचाया जा सके। ऐसे दावों के निपटान के लिए बैंक को अपनी जोखिम प्रबंधन प्रणालियों के आधार पर न्यूनतम 15 लाख रुपए की सीमा तय करनी चाहिए।

अमेरिकी शुल्क से दो अरब डॉलर के झींगा निर्यात पर संकट

नई दिल्ली (भाषा)। अमेरिका शुल्क के कारण देश का झींगा निर्यात उद्योग गंभीर संकट से जूझ रहा है। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात संघ (एसईएआई) ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्क के मद्देनजर सरकार से इस उद्योग के लिए आपात वित्तीय समर्थन मांगा है।

संघ ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से संपर्क कर कहा है कि अमेरिकी शुल्क की वजह से उद्योग को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने सरकार से सस्ते कर्ज के जरिये कार्यशील पूंजी में 30 प्रतिशत की वृद्धि, ब्याज सहायता के जरिये मार्जिन की भरपाई और पैकेजिंग से पहले और बाद के कार्यों के लिए 240 दिन की कर्ज भुगतान की छूट का आग्रह किया है। एसईएआई के महासचिव के एन राघवन ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''करीब दो अरब डॉलर मूल्य के झींगा निर्यात में गंभीर व्यवधान आ रहा है।'' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने जवाबी शुल्क को 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। भारत ने 2024 में अमेरिका को 2.8 अरब डॉलर मूल्य के झींगे का निर्यात किया था और इस वर्ष अबतक 50 करोड़ डॉलर मूल्य का निर्यात कर चुका है। राघवन ने कहा कि नए शुल्क के कारण भारतीय समुद्री खाद्य उत्पाद चीन, वियतनाम और थाइलैंड की तुलना में काफी कम प्रतिस्पर्धी हो गए हैं, जिनपर केवल 20-30 प्रतिशत का अमेरिकी शुल्क लगता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये एशियाई प्रतिस्पर्धी कीमतें कम करके अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी हासिल कर लेंगे, जबकि भारतीय निर्यातक मौजूदा खेप को दूसरे रास्ते से नहीं भेज सकते क्योंकि इससे अनुबंध उल्लंघन के लिए 40 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। राघवन ने कहा, ''एकमात्र रास्ता पांच नए बाजारों की खोज करना है, लेकिन इसमें समय लगेगा। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर तो हो गए हैं, लेकिन इसके क्रियान्वयन में समय लगेगा।'' शुल्क वृद्धि भारत के सबसे बड़े कृषि निर्यात क्षेत्रों में से एक के लिए खतरा है। यह क्षेत्र तटीय राज्यों में लाखों लोगों को रोजगार और देश की विदेशी मुद्रा आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

चौहान आज 30 लाख किसानों को 3,200 करोड़ के फसल बीमा दावों का हस्तांतरण करेंगे

नई दिल्ली (भाषा)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत 30 लाख किसान लाभार्थियों को 3,200 करोड़ रुपये की फसल बीमा दावा राशि डिजिटल रूप से हस्तांतरित करेंगे।

राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएमएफबीवाई दावा राशि हस्तांतरित की जाएगी। चौहान के अलावा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राज्य के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार कुल दावा राशि में 1156 करोड़ रुपये मध्य प्रदेश के किसानों को, 1121 करोड़ रुपये राजस्थान के किसानों को, 150 करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ के किसानों को और 773 करोड़ रुपये अन्य राज्यों के किसानों को हस्तांतरित किए जाएंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ने किसानों के हित में एक नई सरलीकृत दावा निपटान प्रणाली लागू की है, जिसके तहत राज्य के प्रीमियम अंशदान का इंतजार किए बिना, केवल केंद्रीय सब्सिडी के आधार पर दावों का आनुपातिक भुगतान किया जा सकेगा।

उन्होंने बयान में कहा, ''खरीफ 2025 सत्र से, अगर कोई राज्य सरकार अपने सब्सिडी अंशदान में देरी करती है, तो उस पर 12 प्रतिशत का जुर्माना लगाया जाएगा, और इसी तरह अगर बीमा कंपनियां भुगतान में देरी करती हैं, तो उन पर भी 12 प्रतिशत का जुर्माना लगाया जाएगा।''

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की 2016 में शुरुआत के बाद से इसके तहत 1.83 लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया है, जबकि किसानों ने केवल 35,864 करोड़ रुपये का प्रीमियम चुकाया है।

पीएनबी 5,000 करोड़ रुपए के एनपीए एआरसी बेचेगी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष के दौरान परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) को बेचने के लिए लगभग 100 गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) खातों की पहचान की है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने साक्षात्कार में बताया, ''हमने 100 से ज्यादा खातों की पहचान की है... इनका कुल आकार लगभग 4-5 हजार करोड़ रुपये होगा। यह बकाया खाता (एआरसी को बिक्री के लिए) है। इस बिक्री से बैंक को मिलने वाली राशि के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''हमें कम से कम 40-50 प्रतिशत वसूली की उम्मीद है। इसके जरिये भी हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में अच्छी वसूली होगी। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि कुछ खातों में 100 प्रतिशत वसूली हो जाए, क्योंकि अब अच्छी सुरक्षा है, लेकिन कुछ मामलों में यह कम हो सकती है। चंद्रा ने आगे कहा, ''हमारा अनुमान है कि औसत वसूली न्यूनतम 40-50 प्रतिशत होनी चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के अंत तक 30 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार के लक्ष्य को छूने के लिए सही रणनीति तैयार की है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में पीएनबी का कुल कारोबार 11.6 प्रतिशत बढ़कर 27.19 करोड़ रुपये हो गया।

पीएनबी के बाद बैंक ऑफ बड़ौदाका स्थान

पीएनबी के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थान है, जिसका कुल कारोबार 30 जून, 2025 तक 26.43 लाख करोड़ रुपये का था। इसके बाद 25.64 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार के साथ केनरा बैंक है। चंद्रा ने कहा, ''चालू वित्त वर्ष के लिए हमारा लक्ष्य 29.56 लाख करोड़ रुपये का है।

MKJK MAHAVIDYALAYA, ROHTAK

"CORRIGENDUM"

दिनांक 08.08.2025 हरिभूमि व टाइम्स ऑफ इंडिया के विज्ञापन के संदर्भ में UG Course के Hindi विषय के लिए दो पद रिक्त हैं।

नोटः- अभियर्थी अपना आवेदन पत्र, प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपी के साथ दिनांक 19.08.2025 को जमा करवा सकते हैं।

प्रधान — प्राचार्य

ग्राम पंचायत ढाणी खुशहाल
ब्लॉक बवानी खेड़ा (भिवानी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ढाणी खुशहाल SC चौपाल के सामान जैसे गाटर, पत्थर व खिड़की दरवाजे आदि की खुली बोली दिनांक 14.08.2025 को सुबह 11 बजे गांव की SC चौपाल में सरपंच श्रीमति कमलेश की अध्यक्षता में करवाई जाएगी। बोलीदाता को बतौर सिक्योरिटी 15000/- रूपये की राशि जमा करवानी होगी। बाकि के नियम व शर्तें मौके पर पढ़कर सुना दी जाएंगी।

ग्राम सचिव — सरपंच
मनदीप — श्रीमति कमलेश
M. 9643363509 — ग्राम पंचायत ढाणी खुशहाल
M.9996854732

ग्राम पंचायत बलियाली
खंड बवानी खेड़ा जिला भिवानी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गांव बलियाली में वार्ड नंबर-6 ओड समाज चौपाल के कंडम भवन की बोली दिनांक 20.08.2025 को सुबह 11 बजे बलियाली स्थित ओड चौपाल वार्ड नंबर-6 में की जाएगी। बोलीदाता को सिक्योरिटी के रूप में राशि 10000/- रूपये मौके पर जमा करवाने होंगे। बाकी के नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

सरपंच — ग्राम सचिव
सचिन सरदाना — सुभाष चन्द्र
ग्राम पंचायत बलियाली 7888278012
9992102901

मेरा किया जो काटे उसे ईनाम
गुरुजी सम्राट

ज्योतिष द्वारा सभी समस्याओं का तुरंत समाधान। घर बैठे फोन पर समस्याओं का समाधान जानें। वशीकरण, पति - पत्नी, सास - बहु में अनबन, मुकदमा, गृह क्लेश, सौतन, दुश्मनी से छुटकारा, शादी, कारोबार, विदेश यात्रा आदि।

7534997731

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए भूमि सुधारों की जरूरतः सीआईआई

नई दिल्ली (भाषा)। उद्योग निकाय सीआईआई ने रविवार को कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए देश भर में 3-5 प्रतिशत की एक समान स्टांप शुल्क दरों जैसे व्यापक भूमि सुधारों की जरूरत है। सीआईआई ने आम सहमति पर आधारित सुधारों के लिए जीएसटी परिषद जैसी संस्था के गठन पर जोर दिया। एक बयान में कहा गया कि संरक्षणवाद और व्यापार युद्ध के चलते चुनौतियां हैं, लेकिन भारत का स्थिर नीतिगत ढांचा, मजबूत औद्योगिक क्षमताएं,

बड़ा घरेलू बाजार और युवा कार्यबल इसे एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाता है। इसके अलावा कई देशों के बीच एक विश्वसनीय और सक्षम भागीदार के रूप में भारत की प्रतिष्ठा से भी इसे बढ़त मिलती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने प्रत्येक राज्य में एकीकृत भूमि प्राधिकरण स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है, और रूपांतरण प्रक्रिया के पूर्ण डिजिटलीकरण की भी वकालत की है। इसके अलावा राज्यों में स्टांप शुल्क दरों को 3-5 प्रतिशत की एक समान सीमा तक युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया है।

एआई एक्सप्रेस का घरेलू किराया 1279 रुपए से शुरू

कोच्चि। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रविवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'फ्रीडम सेल' की घोषणा की है।

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुद्रास्फीति के आंकड़ों, व्यापार से जुड़े घटनाक्रमों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजार के रुझान भी कारोबारी धारणा को प्रभावित करेंगे। शुक्रवार यानी 15 अगस्त को शेयर बाजार स्वतंत्रता दिवस पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह सभी की निगाह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों, भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों से जुड़े घटनाक्रमों पर रहेगी। अब तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने वाला है। सप्ताह के दौरान अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, आईओसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, बीपीसीएल और अन्य कंपनियों के नतीजे आएंगे, जिससे शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 742.12 अंक या 0.92 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 202.05 अंक या 0.82 प्रतिशत नीचे आया।

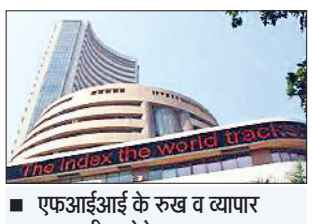

- एफआईआई के रुख व व्यापार तनाव भी डालेगे बाजार पर असर
- कंपनियों के तिमाही नतीजों ने भी बाजार की चाल रोकी है

12 अगस्त को अमेरिकी मुद्रास्फीति का आएगा आंकड़ा

मीणा ने कहा, ''भारत, अमेरिका और चीन इस सप्ताह महत्वपूर्ण आंकड़े जारी करेंगे। ऊंचे शुल्क की वजह से 12 अगस्त को आने वाला अमेरिका का मुद्रास्फीति का आंकड़ा काफी महत्व रखता है। भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़े भी उसी दिन जारी होंगे।''

विज्ञापन संख्या डी. एस. IX-14011/1/2024-**अनुभाग_9-अंवि.**
Advertisement No. DS IX 14011/1/2024-SECTION_9-DOS
दिनांक/Dated: 11.08.2025

भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग / DEPARTMENT OF SPACE

अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुसूची 'ए' सी.पी.एस.ई. मेसर्स न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनसिल) को मार्च 2019 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के केंद्रों और अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) की संघटक यूनिटों द्वारा किए गए अनुसंधान और विकास का व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के उद्देश्य से निगमित किया गया था। एनसिल भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती मांगों का समर्थन करने के लिए भारतीय उद्योग को उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण और उत्पादन आधार बढ़ाने में सक्षम बनाने का प्रयास करता है। अपनी व्यापारिक गतिविधियों के भाग के रूप में, एनसिल भारतीय उद्योग के माध्यम से अंतरिक्ष व्यापार गतिविधियों, जैसे उपग्रहों का स्वामित्व, उपग्रहों के निर्माण का कार्य, प्रमोचन सेवाएं प्रदान करना, प्रमोचनयानों का निर्माण, अंतरिक्ष आधारित सेवाएँ प्रदान करना, उपग्रह निर्माण एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में शामिल होगा।

M/s.NewSpace India Ltd. (NSIL), a Schedule 'A' CPSE under the administrative control of the Department of Space (DOS), was incorporated in March 2019 with an objective of commercially exploiting the research and development carried out by Indian Space Research Organisation (ISRO) Centers and constituent units of Department of Space (DOS). NSIL endeavours to enable Indian Industry to scale up high technology manufacturing and production base to support the growing demands of Indian Space Programme. As part of its business activities, NSIL shall involve in space business activities through Indian Industry namely owning satellites, task the building of satellites, providing launch services, building of launch vehicles, providing space based services, satellite building and technology transfer

अंतरिक्ष क्षेत्र में अनुसूची ए' सी.पी.एस.ई., न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनसिल), बेंगलूरु में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के पद के लिए 05 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति/संविदा के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

Applications are invited for the post of Chairman-cum-Managing Director in NewSpace India Limited (NSIL), Bengaluru, a Schedule 'A' CPSE in the Space sector on Deputation/ Contract basis for a period of 05 years.

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 11/09/2025 है।
The last date for receipt of application is 11/09/2025.
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in पर 'करियर' लिंक पर जाएं।
For details, visit the website www.isro.gov.in under the link 'Careers'

इस विज्ञापन से संबंधित कोई अनुशेष/शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल उपर्युक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
Addendum/corrigendum to this Advertisement, if any will be published only in the above website.
CBC 49101/11/00012/2526

रक्षा बंधन पर रक्षा का संकल्प, धराली, उत्तरकाशी आपदा प्रभावितों के लिए पतंजलि ने भेजी राहत सामग्री

हरिद्वार। धराली उत्तरकाशी में आई भीषण त्रासदी में प्रभावितों की सहायता के लिए पतंजलि योगपीठ ने हाथ बढ़ाया है। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव जी, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी तथा पतंजलि फूड्स के एम.डी. रामभरत जी ने प्रारंभिक तौर पर 3 ट्रक आपदा राहत सामग्री धराली, उत्तरकाशी रवाना की, और सम्पूर्ण देशवासियों से इस आपदा में प्रभावितों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।इस अवसर पर स्वामी

रामदेव जी ने कहा कि इस त्रासदी में जो जीवन समाप्त हो गए उन्हें तो कोई लौटा नहीं सकता लेकिन जो लोग जो बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं, ऐसे लगभग 500 परिवारों के रोजमर्रा की नितांत आवश्यक वस्तुएँ जैसे- आटा, चावल, दालें, नमक, मसाले, बरसात से बचने के लिए तिरपाल, बर्तन, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन आदि हर्षिल, धराली रवाना की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मौसम की अनुकूलता होने पर आपदा पीड़ितों की और मदद की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ-साथ बड़ी स्वदेशी कम्पनियों को भी आड़े हाथों लिया।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

शब्द पहेली - 5955

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5954 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	ब	सी	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	ब	र		ध	मों	प	दे	श	क

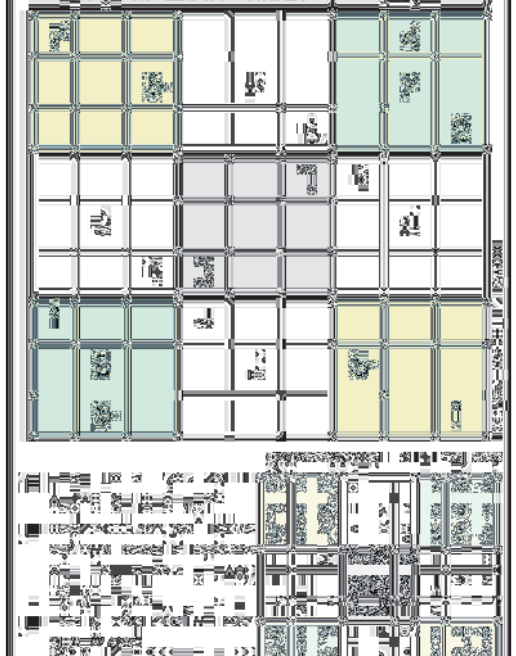

सीबीएसई ने इस वजह से लिया फैसला

अब 10वीं और 12वीं की आंसरशीट का होगा डिजिटल मूल्यांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। बोर्ड जल्द ही इसके लिए एक या अधिक एजेंसियों का चयन करेगा। यह निर्णय सीबीएसई के शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की बैठक में लिया गया। गवर्निंग बॉडी की बैठक में सदस्यों ने सुझाव दिया कि बोर्ड के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में कुछ विषयों में पायलट परियोजनाएं पूरी होने के बाद ही सभी विषयों में 'ऑन-स्क्रीन' मूल्यांकन लागू किया जाए।

सीबीएसई पहले भी ऐसा कर चुका है

बता दें कि सीबीएसई इससे पहले भी आंसर-शीट्स के मूल्यांकन के समय को कम करने और मूल्यांकन में अधिक सटीकता लाने के उद्देश्य से सीबीएसई ने साल 2014 में अपने कुछ क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत 10वीं की बोर्ड परीक्षा और उसके अगले साल यानी 2015 में दिल्ली में 12वीं की बोर्ड परीक्षा के कुछ विषयों के लिए डिजिटल मूल्यांकन को लागू किया गया था।

28 करोड़ रुपये होंगे खर्च : बोर्ड परीक्षाओं के आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन के काम की अनुमानित लागत 28 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि कई यूनिवर्सिटीज में डिजिटल मूल्यांकन का काम पहले से हो रहा है और ये फायदेमंद साबित हुआ है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि परीक्षा प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी।

अनुभवी एजेंसियों को सौंपा जाएगा काम

अब सीबीएसई ने ये फैसला किया है कि आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन के लिए ऐसी एजेंसियों को चुना जाएगा, जिनके पास पहले से ही परीक्षाओं में आंसर-शीट्स के डिजिटल मूल्यांकन का अच्छा अनुभव हो। चूंकि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के कॉपियों की जांच एक गोपनीय प्रक्रिया है, इसलिए ये जरूरी हो जाता है कि आंसर-शीट्स की जांच जिम्मेदारी के साथ और बिना किसी धांधली के की जाए।

9वीं के लिए 'ओपन-बुक' परीक्षा को मंजूरी

सीबीएसई ने कक्षा नौ के मुख्य विषयों जैसे भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में तीन पेन-पेपर परीक्षाओं में से एक के हिस्से के रूप में ओपन-बुक मूल्यांकन का फैसला लिया है। यह बदलाव विद्यार्थियों को रटने के बजाय सीखने और समझने पर केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। 'ओपन-बुक' परीक्षा में विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर देते समय अपनी किताबें, नोट्स या अन्य संदर्भ सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

सीबीएसई के फैसले में क्या है?

- सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने यह फैसला क्षेत्रीय कार्यालयों में कुछ विषयों पर पायलट सफल होने के बाद सभी विषयों में लागू करने पर सहमति जताई। यानी पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट्स चलाए जाएंगे।
- यह फैसला साल 2014 और 2015 में की गई सीमित डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रियाओं की सफलता को देखते हुए लिया गया है। उस समय कुछ विषयों को डिजिटल रूप में परीक्षण किया गया था।
- डिजिटल मूल्यांकन के लिए चुनी जाने वाली एजेंसियों के पास स्कूलों, विश्वविद्यालयों या सरकारी परीक्षा निकायों में डिजिटल आंसर-शीट मूल्यांकन का अनुभव होना जरूरी होगा। खासकर सुरक्षा, गोपनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से।
- इस पूरी व्यवस्था की अनुमानित लागत करीब 28 करोड़ बताई गई है।
- बोर्ड का मानना है कि डिजिटल मूल्यांकन से क्षेत्रीय असमानताओं की समस्या दूर होगी और मूल्यांकन की सटीकता बढ़ेगी।

भविष्य का रोडमैप : शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 में ओपन-बुक मूल्यांकन लागू किया जाएगा। इससे छात्रों के रटने की बजाय समझ और विश्लेषण क्षमता का विकास होगा, जो की विश्व स्तर पर शिक्षा के नए स्वरूप की मांग है।

खबर संक्षेप

बेगूसराय में डूबने से 3 लोगों की मौत

बेगूसराय। शनिवार को बाढ़ग्रस्त प्रखंड तेघड़ा व बछवाड़ा में बाढ़ के पानी में डूबने से एक अधेड़ व दो बच्ची की मौत हो गई। दो जगहों पर डूबने से तीन मौत के बाद स्वजनों में कोहराम मचा है। राखी की खुशियां मातम में बदल गई है। मृतक के स्वजनों व ग्रामीणों ने बाढ़ प्रभावित लोगों पर किए जा रहे राहत व बचाव कार्य पर सवाल उठाया है।

'फ्रीडम सेल' में 1,279 रुपए में करें हवाई सफर

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रविवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'फ्रीडम सेल' की घोषणा की है। इस सेल के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लगभग 50 लाख सीटें उपलब्ध होंगी, जिनकी शुरुआती कीमत घरेलू उड़ानों के लिए 1,279 और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 4,279 रुपए है। सेल के तहत 19 अगस्त से बुकिंग खुलेगी।

एक करोड़ की गोलियां जब्त, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में नशे के कारोबार पर बड़ा हमला किया है। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एक संगठित ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए 9 किलो साइकोट्रॉपिक दवा अल्प्राजोलम की गोलियां जब्त की हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। 2 को गिरफ्तार किया है।

राहुल के नेतृत्व में ईसी के खिलाफ विरोध मार्च आज

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोमवार को इंडिया गठबंधनके सांसदों के लिए डिनर का आयोजन करेंगे। यह बैठक बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित धांधली के खिलाफ विपक्ष की एकजुटता

पीएम मोदी ने बेंगलुरु को कई सौगातें दीं और निकाली रैली

ऑपरेशन सिंदूर ने कुछ ही देर में पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया, दुनिया ने देखी ताकत

वैश्विक स्तर पर दिखा हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया का जल्वा

प्रधानमंत्री ने लोगों को भी किया संबोधित

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु को कई सौगातें दीं और एक कार्यक्रम को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मैं पहली बार यहां आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की सफलता, सीमा पार कई किलोमीटर तक आतंकवादी ठिकानों को तबाह करने की हमारी क्षमता और आतंकवाद के बचाव में आए पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटने टेकने पर मजबूर करने की हमारी क्षमता देखी गई। पूरी दुनिया ने नए भारत के इस स्वरूप के दर्शन किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ी वजह हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें यहां के युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। मैं इसके लिए भी आप सभी का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है।

यहां की संस्कृति, कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू गई

टेक-आत्मनिर्भर भारत

पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा उपलब्धियों में हमारी अगली बड़ी प्राथमिकता 'टेक-आत्मनिर्भर भारत' होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि हम भारत की जरूरतों को और ज्यादा प्राथमिकता दें और नए उत्पाद विकसित करने में

वैश्विक नक्शे पर देश का नाम गर्व से जुड़ गया

पीएम मोदी ने कहा कि हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं, जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है। हम बेंगलुरु को नए भारत के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी नक्शे पर गर्व से स्थापित किया है।

शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर बढ़ रहे

पीएम ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से ऊपर उठकर शीर्ष पांच में पहुंच गई है। अब शीर्ष 3अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर बढ़ रहे हैं।

2014 तक देश में सिर्फ 74 हवाई अड्डे थे, अब 160

उन्होंने कहा कि 2014 में मेट्रो 5 शहरों तक सीमित थी। अब 24 शहरों में 1000 किलोमीटर से ज्यादा का नेटवर्क है। 2014 से पहले लगभग 20,000 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण था। हमने पिछले 11 वर्षों में ही 40,000 किलोमीटर से ज्यादा रेलमार्ग का विद्युतीकरण किया है।

डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल समाधानों की पहुंच गांव-गांव तक पहुंच गई है। दुनिया के 50फीसदी से ज्यादा रीयल-टाइम लेन-देन भारत में यूपीआई के जरिए होते हैं।

जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट

पीएम मोदी ने कहा कि हमें मेक इन इंडिया में बंगलूरू और कर्नाटक की उपस्थिति को और मजबूत करना होगा। मेरा आग्रह है कि हमारे उत्पाद जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट के मानकों के अनुरूप हों। मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक की प्रतिभा आत्मनिर्भर भारत के इस विजन का नेतृत्व करेगी।

बेल्लारी रोड पर रोड शो किया

पीएम मोदी ने बेल्लारी रोड पर रोड शो किया और जनता का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'नेक्स्ट-जेन मोबिलिटी फॉर ए नेक्स्ट-जेन सिटी' कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बातचीत करते देखा गया।

'मोदी, मोदी' के नारे के साथ स्वागत

जब प्रधानमंत्री का काफिला रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ रहा था, तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। उन्होंने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने भी अपनी कार के अंदर से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।

सुधांशु का विपक्ष पर करारा पलटवार

सत्ता खोने की हताशा में झूठे बेबुनियाद बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के ईसी के आरोपों के संबंध में किया हमला

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग (ईसी) पर लगाए गए आरोपों को लेकर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 'भारतीय राजनीति के 'सदाबहार युवा' लगातार देश की संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करने में लगे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी की तुलना नाजी जर्मनी के प्रचार मंत्री गोएबल्स से करते हुए आरोप लगाया कि वह सत्ता खोने की हताशा में झूठे और बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए एक्स पर वीडियो साधा किया था। जिसमें उन्होंने लिखा कि वोट चोरी एक व्यक्ति, एक वोट के बुनियादी सिद्धांत पर हमला है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। इसके साथ ही अन्य पार्टी नेताओं ने राहुल को अदालत या चुनाव आयोग जाने की बात कही है। वे सबूत क्यों नहीं पेश करते।

जहां कांग्रेस को ज्यादा वोट मिले उन सीटों का जिक्र

सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के बंगलूरू सेंट्रल सीट के बयान पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर यह आंकड़े चुनाव आयोग के नहीं हैं, तो राहुल गांधी को 1 लाख फर्जी वोटरों की जानकारी कहां से मिली? उन्होंने सिर्फ उन्हीं इलाकों की बात क्यों की जहां भाजपा आगे थी? उन्होंने चामराजपेट और शिवाजीनगर जैसे इलाकों का जिक्र क्यों नहीं किया, जहां कांग्रेस को 60 फीसदी से ज्यादा वोट मिले?

सीएम-डिप्टी सीएम क्यों नहीं करते पीसी

भाजपा सांसद त्रिवेदी ने कहा कि जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है, तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पहले से ही विदेशी, राष्ट्रविरोधी ताकतों से मिलीभगत के शक के घेरे में हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ऐसे एनजीओ और नेताओं से मिलते हैं जो भारत विरोधी हैं और यही गठबंधन विदेशी ताकतों के जरिए भारत के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

दोहरे एपिक मामले में सफाई दी

यह केवल प्रशासनिक त्रुटि, उम्र सुधारने के लिए किया था आवेदन, रसीद दिखाई

डिप्टी सीएम सिन्हा का तेजस्वी को जवाब

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने दोहरे एपिक और उम्र में हेरफेर का सनसनीखेज आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि सिन्हा का नाम लखीसराय (एपिकः आईएएफ 3939337, उम्र 57) और बांकीपुर, पटना (एएफएस 0853341, उम्र 60) की मतदाता सूची में है। तेजस्वी ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर

सफाई पेश की। सिन्हा ने बताया कि उनका परिवार बांकीपुर, पटना की मतदाता सूची में दर्ज था। अप्रैल 2024 में उन्होंने लखीसराय में अपना नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया और साथ ही बांकीपुर से नाम हटाने का फॉर्म भरा। तकनीकी कारणों से नाम नहीं हटा। उनका नाम बांकीपुर से नहीं हटा।

उम्र में अंतर का जवाब

सिन्हा ने 2 मतदाता पहचान पत्र में उम्र में अंतर (57 और 60 वर्ष) के आरोप पर कहा कि यह गलती को सुधारने के लिए आवेदन किया गया था। उनकी उम्र प्रमाणपत्र के अनुसार सही है और एक महीने का त्रुटि सुधार का समय उपलब्ध है। सिन्हा ने 30 अप्रैल 2024 को ऑनलाइन आवेदन के दस्तावेज पेश किए जिसमें बांकीपुर से नाम हटाने और उम्र सुधार की मांग थी।

तेजस्वी का आरोप

सिन्हा के भी दो एपिक नंबर

राजद और कांग्रेस ने दावा किया है कि सिन्हा के पास दो एपिक नंबर है। उन्होंने दो जगह से मतदाता पुनरीक्षण कार्य का फॉर्म भरा। तेजस्वी ने इस मुद्दे पर रविवार सुबह प्रेस वार्ता की। उन्होंने सवाल पूछा कि किस कारण से सिन्हा ने बांकीपुर और लखीसराय से एसआईआर फॉर्म भरा? उनका नए वोटर लिस्ट में दो जगह नाम कैसे आया? इतना ही नहीं दोनों वोटर लिस्ट में डिप्टी सीएम के उम्र भी अलग-अलग है। लखीसराय वाले वोटर लिस्ट में उनकी उम्र 57 साल है। बांकीपुर में उन्होंने 60 साल अपनी उम्र बताई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए और डिप्टी सीएम को इसका जवाब देना चाहिए। यह गंभीर मुद्दा है।

डोनाल्ड ट्रंप को दिया करारा जवाब, भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं

रक्षा मंत्री ने रखी रेलकोच निर्माण की आधारशिला

कुछ लोग खुद को दुनिया का बॉस समझते हैं : राजनाथ सिंह

एजेंसी ▸▸ रायसेन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश के रायसेन में देश की पहली ग्रीनफील्ड रेल कोच निर्माण इकाई की आधारशिला रखी। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए इशारों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग खुद को दुनिया का बॉस समझते हैं और भारत का विकास उन्हें रास नहीं आ रहा है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने इशारों ही इशारों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग अपने आप को दुनिया का बॉस समझते हैं।

हम छेड़ते नहीं, छेड़ोगे तो छोड़ते भी नहीं : सिंह

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों ने सोचा था कि भारत कोई कार्रवाई नहीं करेगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमनेऑपरेशन सिंदूर से ऐसी कार्रवाई की जिसने पूरी दुनिया को संदेश दे दिया कि हम किसी को उकसाते नहीं हैं, लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जताई चिंता, कहा

शिक्षा-इलाज आम लोगों की पहुंच से बाहर पहले थी 'सेवा' अब पूरी तरह व्यावसायिक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को मध्यप्रदेश के इंदौर में माधव सृष्टि के एक कैंसर अस्पताल के शुभारंभ कार्यक्रम में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देश में महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं अब सामान्य व्यक्ति की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। पहले इन क्षेत्रों को सेवा का माध्यम माना जाता था, लेकिन अब इन्हें पूरी तरह व्यावसायिक (कमर्शियल) रूप दे दिया गया है। भागवत ने कहा कि ज्ञान के युग में शिक्षा अत्यंत आवश्यक है, इसके लिए आदमी अपना घर बेच देगा, लेकिन वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहेगा। इसी तरह, स्वास्थ्य के लिए भी व्यक्ति अपनी पूरी जमा पूंजी लगाने को तैयार होता है ताकि उसका इलाज अच्छी जगह हो सके। उन्होंने कहा कि समाज में सबसे ज्यादा जरूरत शिक्षा और स्वास्थ्य की है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज यह दोनों ही सुविधाएं न तो सस्ती हैं और न ही सहज-सुलभ।

- **दोनों सेवा न सस्ती, सहज और सुलभ**

शिक्षा 'ट्रिलियन डॉलर' बिजनेस

संघ प्रमुख भागवत ने यह भी कहा कि उन्होंने हाल ही में एक रिपोर्ट पढ़ी थी जिसमें बताया गया कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब 'ट्रिलियन डॉलर' का बिजनेस बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जब कोई क्षेत्र इतना बड़ा व्यवसाय बन जाता है, तो वह स्वतः ही सामान्य व्यक्ति की पहुंच से बाहर हो जाता है।

उपराष्ट्रपति चुनावः नाम तलाशने साथी दलों से संपर्क में जुटे

संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करेगा इंडिया गठबंधन

'इंडी' ब्लाक को मिला एकजुटता का बहाना

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन का साझा उम्मीदवार उतारने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उम्मीदवार का नाम तलाशने और आम सहमति बनाने के लिए गठबंधन के सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। टक्कर देने को साझा नाम तलाश रहे हैं।

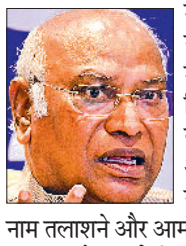

सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर देने की तैयारी की जा रही

विपक्षी गठबंधन के बीच बढ़ रही एकता

हाल ही में विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों के बीच एकता बढ़ी है। विपक्षी गठबंधन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनाव धांधली के खिलाफ एकजुट है। गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर विपक्षी गठबंधन के नेताओं की डिनर पार्टी में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। अब खरगे सोमवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का भी आयोजन करेंगे।

भाजपा के बाद नाम आएगा सामने

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टियों के बीच आम सहमति है कि इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करेगा। विपक्षी खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही इंडिया गठबंधन को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए।

9 सितंबर को होगा चुनाव

उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर को होना है। चुनाव को लेकर सत्ताधारी एनडीए गठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया ने भी उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है। संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श के लिए इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के बीच बातचीत चल रही है। जबकि खरगे आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं।

चिंतन

बदले माहौल में आर्थिक सुधार में तेजी लाए भारत

भारत को आर्थिक सुधार के अगले चरण में तेजी से प्रवेश करना चाहिए। बदले वैश्विक माहौल में जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में आयात करने वाले देशों में मनमाना टैरिफ आयद कर रहे हैं, जिसमें भारत पर 50 से 100 फीसदी अनुचित टैरिफ की तलवार लटक रही है, वहां भारत अपनी आर्थिकी में बदलाव करके ही विपरीत व्यापार परिस्थिति का सामना कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु में ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनोमी कहकर तंज का जवाब यह कह कर दिया है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और वह दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है, यह गति 'सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन' की भावना से हासिल की गई है। आज, मेट्रो रेल नेटवर्क 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है, जिससे भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विश्व में सबसे अधिक जीडीपी दर से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, लेकिन करीब साढ़े छह से सात फीसदी जीडीपी दर भारत के टॉप थ्री अर्थव्यवस्था से लेकर विकसित भारत बनने के लिए काफी नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। फौरी तौर पर तो अमेरिकी टैरिफ से निपटने की है, जिसमें भारत को अपने निर्यात के लिए नए वैश्विक बाजार तलाशने होंगे। अमेरिकी दबाव को दरकिनार करते हुए रूस के साथ अपने ट्रेड व सामरिक संबंध मजबूत करने होंगे। चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने होंगे। भारत पाकिस्तान के साथ संबंधों को सामान्य कर चीन को आसानी से साध सकता है। ब्राजील जैसे अवसर का लाभ उठाना होगा। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता को जल्द अंतिम रूप देना होगा। यूरोप के साथ ट्रेड बढ़ाने होंगे। ब्रिक्स, आसियान, मध्य पूर्व, अफ्रीकी संघ जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग अपने ट्रेड को विस्तार देने के लिए करना होगा। विश्व में ट्रंप के टैरिफ वार के चलते जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें भारत के लिए नए ट्रेड व सामरिक अवसर की गूंज है। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत घरेलू खपत है, इसलिए इसे बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक निवेश के साथ निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्र व विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भूमि व श्रम सुधार में तेजी लाने की आवश्यकता है। भारत डिजिटल क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन अभी वह कंज्यूमर ज्यादा है, सेवा प्रदाता कम है। इस क्षेत्र में इस स्थिति को बदलने की जरूरत है। इसके लिए सरकार को बड़ा निवेश करना चाहिए, केवल हाईवे से बात नहीं बनेगी, ईवे व डिजिटेकवे भी बनाने की जरूरत है। भारत की ताकत कृषि व संबंधित क्षेत्र भी है, इसलिए इन पर ध्यान देने की जरूरत है। ब्राजील, यूरोप, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत अपने कृषि क्षेत्र में नवाचार व नए शोध को बढ़ावा दे सकता है। भारत के लिए आर्थिक क्षेत्र में केवल विनिर्माण पर ही केंद्रित रहने की आवश्यकता नहीं है, भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत सेवा क्षेत्र व सॉफ्टवेयर है। इसलिए भारत को अपनी ताकत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल जैसे आइडियाज अच्छे हैं, आर्थिक राष्ट्रवाद के लिए ये जरूरी हैं, लेकिन अपनी प्राथमिकताएं तय करने के साथ आर्थिक सुधार में तेजी लाए बिना भारत अपने आर्थिक लक्ष्य हासिल नहीं कर सकेगा। सामरिक व आर्थिक ताकत बनने के लिए भारत को जमीनी धरातल पर तेजी से काम करना होगा।

एसआईआर
राज कुमार सिंह

चुनाव आयोग ने देशभर में एसआईआर करने का फैसला किया है तो पुनरीक्षण के बाद बिहार में मतदाताओं की संख्या में आयी कमी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। बिहार में मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, लेकिन एसआईआर के लिए भरवाये गये गणना फॉर्म की जांच के बाद एक अगस्त को प्रकाशित मतदाता सूची में यह संख्या घट कर सात करोड़ 24 लाख रह गयी है। एसआईआर को सरकार के दबाव में बिहार में लाखों मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की चुनाव आयोग की साजिश बता रहा विपक्ष इस आंकड़े का अपने आरोप की पुष्टि के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। न्यायालय, एसआईआर में दखल देने की बात भी कह चुका है।

मतदाता सूची जांच में पारदर्शिता रहे

बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद थमता नहीं दिखता। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में हंगामे के अलावा संसद सत्र में भी सदन के अंदर और बाहर यह बड़ा मुद्दा बना हुआ है। एक ओर चुनाव आयोग ने देशभर में एसआईआर करने का फैसला किया है तो पुनरीक्षण के बाद बिहार में मतदाताओं की संख्या में आयी कमी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। बिहार में मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, लेकिन एसआईआर के लिए भरवाये गये गणना फॉर्म की जांच के बाद एक अगस्त को प्रकाशित मतदाता सूची में यह संख्या घट कर सात करोड़ 24 लाख रह गयी है। 65 लाख 63 हजार 75 मतदाताओं के नाम कट गये हैं। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सबसे ज्यादा तीन लाख 95 हजार नाम पटना जिले से हटाये गये हैं। उसके बाद मुधबनी, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज का नंबर आता है। एसआईआर में लगभग आठ प्रतिशत मतदाताओं के नाम कटने से चुनाव प्रक्रिया पर ही गंभीर सवाल उठ खड़े होते हैं। एसआईआर को सरकार के दबाव में बिहार में लाखों मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की चुनाव आयोग की साजिश बता रहा विपक्ष इस आंकड़े का अपने आरोप की पुष्टि के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। बेशक अरसे से विपक्षी आरोपों के कठघरे में खड़ा आयोग इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने के कारण भी बता रहा है। आयोग के मुताबिक 22 लाख 34 हजार मतदाताओं के नाम उनकी मृत्यु हो जाने के चलते हटाये गये हैं, जबकि 36 लाख 28 हजार मतदाताओं ने पता बदल लिया है। इनके अलावा सात लाख एक हजार मतदाताओं के नाम डुप्लीकेट या अन्य गड़बड़ियों के कारण हटाये गये हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से खबरें आयी थीं कि बड़ी संख्या में बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के नागरिक भी बिहार में मतदाता बन गये हैं, पर उसका कोई आंकड़ा आयोग ने एक अगस्त को मतदाता सूची प्रकाशित करते हुए नहीं दिया है। बिहार उन राज्यों में अग्रणी है, जहां से बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में पलायन करते हैं।

माना जाता है कि उनमें से ज्यादातर मतदान के लिए आते भी हैं। ऐसे में पता बदल जाने के चलते कटे नामों पर विवाद स्वाभाविक है, क्योंकि गणना फॉर्म भरने के लिए मिला एक माह का समय प्रवासियों तथा बाढ़ प्रभावितों के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। जो लोग जीवन यापन के लिए पलायन को मजबूर हैं, उनसे यह अपेक्षा व्यवहारिक नहीं कि वे अपना काम-धंधा छोड़ कर गणना फॉर्म जमा करने के लिए दौड़े चले आयेंगे, और वह भी तब, जब साथ मांगे गये दस्तावेज जुटाना ही बड़ा चुनौतीपूर्ण काम हो। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अब चुनाव आयोग के समक्ष आधार और वोटर कार्ड को दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने से बचने का रास्ता बंद हो गया है। आधार और वोटर कार्ड की विश्वसनीयता को संदिग्ध मानने वाले आयोग ने अगर सर्वोच्च न्यायालय की सलाह पर ही उन्हें गणना फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया में स्वीकार कर लिया होता तो शायद इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम नहीं कटते। बेशक जिन मतदाताओं के नाम प्रकाशित सूची में

नहीं हैं, वे आवश्यक दस्तावेज देकर एक सितंबर तक नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वास्तविक मतदाता संख्या तो उस प्रक्रिया के बाद ही पता चलेगी, लेकिन फिलहाल प्रकाशित सूची को ही आधार मान लें तो इस सवाल का जवाब मिलना चाहिए कि अगर इतनी बड़ी संख्या में अवैध मतदाता बिहार में थे, तो उनके मतदान वाले चुनाव वैध कैसे माने जायें? बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण पिछली बार 2003 में हुआ था। हर चुनाव में संख्या अलग-अलग हो सकती है, पर यह संकेत तो साफ है कि अवैध मतदाता भी मतदान करते रहे। ऐसे में ये सवाल अनुत्तरित हैं : एक, उन चुनावों और उनके जरिये बनी सरकारों को वैध कैसे माना जाये? दूसरा, अपात्र लोग, मतदाता बन कैसे गये? मतदाता बनने की निर्धारित प्रक्रिया है। बेशक काम करने वाले कर्मचारी राज्य सरकार के होते हैं, पर वे काम चुनाव आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही करते हैं। तब क्या उन कर्मचारियों के विरुद्ध और प्रक्रिया में शामिल रहे राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स के विरुद्ध भी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए? दिलचस्प यह भी कि 2005 के बाद से, जीतन राम मांझी के अपवाद के अलावा, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहे हैं और राजद के साथ दो उनके अल्पकालीन गठबंधन के अलावा भाजपा ही उनकी जोड़ीदार रही है। बेशक 2014 तक केंद्र में कांग्रेसनीत संप्रग सरकार रही। मतदाता बनाने और सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर उठते ये सवाल ज्यादा गंभीर इसलिए भी हैं कि ये गड़बड़ियां सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं हो सकतीं। केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ दलों से परे देखें तो स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है, जो स्वयं एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और चुनाव प्रक्रिया को लोकतंत्र की प्राण वायु माना जाता है। हर पात्र मतदाता को मताधिकार देना आयोग का संवैधानिक दायित्व है। एक भी वैध मतदाता का मताधिकार से वंचित होना चुनाव की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर ही सवालिया निशान होगा। बेशक अवैध मतदाताओं को मताधिकार भी चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को भंग करेगा और दोनों ही स्थितियों के लिए जिम्मेदारी-जवाबदेही चुनाव आयोग की होगी।

भारतीय चुनाव आयोग की कभी दुनिया में धाक रही है। दूसरे देश अपने चुनावकर्मियों को प्रशिक्षण के लिए भारत भेजते रहे हैं। उसी आयोग पर देश में उठते गंभीर सवाल आत्मविश्लेषण का तकाजा भी हैं। अगर बिहार की मतदाता सूची में इतनी गड़बड़ है और अन्य राज्यों में एसआईआर से भी वैसी ही तस्वीर उभर सकती है, तब सवाल यह भी कि इसी साल जनवरी में समरी रिवीजन में क्या किया गया था? एसआईआर तभी कराया जाना चाहिए था। चुनाव आयोग ने अधिसूचना में लिखा कि एक जनवरी, 2003 से पहले जिनके नाम मतदाता सूची में थे, उन्हें भारत का नागरिक माना जाएगा यानि उसके बाद के मतदाता भारत के नागरिक नहीं माने जाएंगे, उन्हें नागरिकता साबित करनी पड़ेगी। बेशक जन प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 16 किसी गैर-नागरिक को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के अयोग्य घोषित करती है, लेकिन नागरिकता निर्धारण चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। ऐसे में मतदाता सूची से जुड़े जटिल और संवेदनशील सवालों के समग्र रूप में जवाब खोजे जाने चाहिए, क्योंकि बिहार के बाद अन्य राज्यों में भी यह विवाद तूल पकड़ेगा ही। एसआईआर पर रोक से इनकार करते हुए भी सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में नाम कटे मतदाताओं का ब्यौरा मांग ही लिया है। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटने पर न्यायालय, एसआईआर में दखल देने की बात भी कह चुका है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

विश्लेषण

मुनीष भाटिया

ट्रंप टैरिफ गेम : व्यापार नहीं, दबाव की रणनीति!

भारत और अमेरिका दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियाँ हैं। दोनों देशों के बीच दशकों से राजनीतिक, सैन्य और रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। लेकिन व्यापार के क्षेत्र में यह संबंध हमेशा सरल नहीं रहा। अमेरिका की टैरिफ नीति, विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में, इन रिश्तों में तनाव लाने वाली रही है। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के कुछ उत्पादों पर 50% तक टैरिफ बढ़ाना इस तनाव को फिर से सतह पर ले आया है। डोनाल्ड ट्रम्प जब राष्ट्रपति बने, तो उन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को आगे बढ़ाया। इसका सीधा असर वैश्विक व्यापार पर पड़ा। ट्रम्प का मानना था कि अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ रहा है, क्योंकि अन्य देश अमेरिकी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाकर अपने उद्योगों को फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने चीन, यूरोप, कनाडा और भारत जैसे देशों पर आयात शुल्क बढ़ाए। भारत के मामले में ट्रम्प ने विशेष रूप से शिकायत की थी कि भारतीय टैरिफ अमेरिका के लिए "अस्वीकार्य" हैं। 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर भारत से आयात किए जाने वाले कुछ प्रमुख उत्पादों पर टैरिफ 50% तक बढ़ा दिया है। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब भारत रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता कच्चा तेल खरीद रहा है, वह भी तब, जब अमेरिका और यूरोप रूस पर कड़े प्रतिबंध लागू कर रहे हैं। अमेरिका को यह रुख पसंद नहीं आया है। उसे लगता है कि भारत, एक ओर उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन दूसरी ओर रूस जैसे विरोधी देश से तेल खरीदकर उसकी नीतियों को कमजोर कर रहा है। यह टैरिफ बढ़ोतरी कहीं न कहीं एक अप्रत्यक्ष दबाव की रणनीति के रूप में देखी जा रही है। यह सवाल भी उठ रहा है कि अमेरिका भारत पर तो टैरिफ बढ़ा रहा है, लेकिन चीन जैसे देश, जिससे अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है, उस पर वैसी सख्ती क्यों नहीं कर रहा? ब्रिक्स समूह के अन्य सदस्य जैसे ब्राज़ील ने अमेरिका की इस नीति पर कड़ा विरोध जताया है और जवाबी टैरिफ भी लगाए हैं। भारत ने अब तक संयम बरता है। उसने न प्रतिक्रिया में टैरिफ बढ़ाए हैं, न ही कोई कड़ा बयान दिया है। भारत की विदेश नीति संवाद और संतुलन पर आधारित है, टकराव पर नहीं। भारत जानता है कि ट्रेड वॉर किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं होता। अगर भारत भी जवाबी टैरिफ लगाए, तो अमेरिका में भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है, जिससे निर्यात और रोज़गार प्रभावित होगा। अब भारत के सामने दोहरी चुनौती है, एक तरफ घरेलू उद्योगों को संरक्षण देना और दूसरी तरफ अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखना। 50% टैरिफ बढ़ने से भारत के टेक्सटाइल, कृषि, इंजीनियरिंग और चमड़ा उद्योग सबसे ज़्यादा प्रभावित हो सकते हैं। इसका हल यही है कि भारत अपने उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाए। कम लागत, बेहतर डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी का उपयोग कर, भारत को अपने उत्पाद ऐसे बनाने होंगे जो किसी भी टैरिफ के बावजूद विश्व बाज़ार में टिक सकें। भारत को अमेरिका को यह स्पष्ट रूप से समझाना होगा कि उसकी टैरिफ नीति अमेरिका को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि अपने छोटे व्यवसायों और किसानों की रक्षा के लिए है। रूस से तेल खरीद पर विवाद के बावजूद, अमेरिका और भारत के बीच ऊर्जा सहयोग बढ़ सकता है। भारत अमेरिका से एलएनजी और कच्चा तेल भी आयात करता है, जो एक संतुलन बना सकता है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से हथियार, फाइटर जेट्स, ड्रोन, और रडार सिस्टम जैसे रक्षा उपकरण भी खरीदता है। अगर दोनों देश ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाते हैं, तो टैरिफ जैसे मुद्दे एक सीमित दायरे में रह सकते हैं। भारत की विदेश नीति की खूबी यह है कि वह न अमेरिका से टकराव करती है, न चीन के दबाव में झुकती है। वह अपने हितों को संतुलित रखते हुए वैश्विक मंच पर जिम्मेदारी से व्यवहार करता है। रूस से तेल खरीद इसी नीति का उदाहरण है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है, लेकिन साथ ही अमेरिका और पश्चिम के साथ रणनीतिक रिश्ते भी बनाए रखता है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ बढ़ाना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेकिन भारत को इसका जवाब जल्दबाज़ी या टकराव में नहीं देना चाहिए। संतुलन, समझदारी और कूटनीतिक संवाद ही ऐसे समय में सबसे असरदार हथियार हैं। भारत को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ानी होगी, घरेलू उद्योगों को मजबूत करना होगा, और वैश्विक बाजारों के लिए अपने निर्यात को तैयार करना होगा। यदि दोनों देश मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो इससे न सिर्फ उनके संबंध और मजबूत होंगे, बल्कि यह पूरी दुनिया को स्थिरता, सहयोग और साझा समृद्धि का संदेश भी देंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण

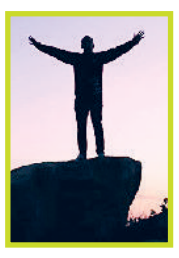

संकलित
दर्शन

आत्मसंयम मनुष्य की ऐसी आंतरिक क्षमता है, जिसके आधार पर मनुष्य अपना समग्र विकास करने में सक्षम होता है। बुरी आदतों पर नियंत्रण आत्मसंयम की शक्ति से ही संभव है। असल में यही खराब आदतें हमारी प्रगति की राह में अवरोध बनती हैं। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मसंयम में सही ताल मिल जाए तो असंभव से लक्ष्य को भी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। संयम एक ऐसा बीज मंत्र या आवरण है, जो हर स्थिति में कारगर होता है। इस संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उनका जीवन यही संदेश देता है कि उनके उत्कर्ष में आत्मसंयम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है। जिन लोगों में आत्मसंयम होता है उनका स्वास्थ्य, रिश्ते, आर्थिक स्थिति और करियर अन्य लोगों की अपेक्षा बेहतर होता है। ऐसे लोग जीवन से अधिक संतुष्ट रहते हैं। उन्हें जीवन अधिक सार्थक लगता है। आत्मसंयम का जीवन रचनात्मकता से ओतप्रोत होता है। यह सद्गुण काम, क्रोध, लोभ, मोह और भय को दूर करने के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को गहराई एवं गंभीरता प्रदान कर उसके जीवन को सुखप्रद बनाता है। आत्मसंयम का महामंत्र आत्मसात कर हम असीमित इच्छाओं के अश्व की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं। थोड़ा गहराई में जाएं तो संयमी की यात्र कंकर से शंकर बनने की है। हमें अपने जीवन में आत्मसंयम की आवश्यकता इसलिए भी पड़ती है, ताकि हम पथ से भटके बिना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकें।

तुलसीदास द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहा- आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहां सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

प्राकृतिक आपदा का जिम्मेदार कौन

आजकल बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदा के लिए मुख्य रूप से मानव को ही जिम्मेदार माना जा सकता है। दिन प्रतिदिन वाहनों द्वारा बढ़ता प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। दूसरी तरफ वनों की अंधाधुंध कटाई भी इसका मुख्य कारण है। वन मुख्य रूप से बाढ़ का बचाव करते हैं और हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं, जिससे वातावरण में संतुलन बना रहता है। अब समय आ गया है कि लोग अपने निर्माण कार्यों को सोच समझ कर करें। शहरीकरण के कारण नदी नाले सिकुड़ने की कगार पर आ पहुंचे है। प्रकृति से छेड़खानी हमारे लिए घातक होती जा रही है। आज लोगों को जागरूक होने की जरूरत है कि वे अपने निर्माण कार्य कैसे और कहां कर रहे हैं।

– प्रतीक वर्मा, महासमुंद

ट्रेंड

स्वदेशी के लिए जन जागरण

हम स्वदेशी के लिए जन जागरण का आंदोलन चलाएं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि स्वदेशी अपनाएंगे। स्कूल में विद्यार्थी और खेत में किसान स्वदेशी का संकल्प ले। गणेश उत्सव मनाएं तो स्वदेशी के संकल्प के साथ। दुर्गा मैया का पंडाल सजाएं तो स्वदेशी के संकल्प के साथ।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

एंटी ड्रोन सिस्टम

पंजाब में ज्यादातर नशा पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आता है। अब अगर कोई भी ड्रोन सरहद पार से आएगा तो हमारा एंटी ड्रोन सिस्टम उसे पकड़कर वहीं गिरा देगा। ये सिस्टम पंजाब में नशे को घुसने नहीं देगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

जयंती पर श्रद्धांजलि

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न से सम्मानित वी.वी. गिरि को उनकी जयंती पर हमारी श्रद्धांजलि। उन्होंने तीन राज्यों के राज्यपाल और मद्रास के श्रम मंत्री के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने 'गिरि दृष्टिकोण' की शुरुआत की।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

आर्थिक आज़ादी

प्रधानमंत्री मोदी की डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर प्रतिक्रिया आज़ादी की घोषणा से कम नहीं है। भारत की आर्थिक आज़ादी। हर नेता अपने देश के लिए सबसे अच्छा करता है। ठीक वैसे ही जैसे राष्ट्रपति ट्रम्प अमेरिका के लिए कर रहे हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

नेपाल 100 चोटियों पर चढ़ाई के लिए नहीं लेगा कोई शुल्क

नेपाल पर्वतीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने सुदूर पश्चिमी क्षेत्र की लगभग 100 चोटियों पर चढ़ाई के लिए शुल्क नहीं लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हिमालयी राष्ट्र ऐसे क्षेत्रों में पर्वतारोहियों को आकर्षित करना चाहता है, जहां सैलानी कम जाते हैं। इसके मद्देनजर सरकार ने अगले दो वर्षों के लिए करनाली और सुदूरपश्चिम प्रांतों की 97 चोटियों के लिए रॉयल्टी (शुल्क) माफ कर दी है। इन चोटियों की ऊंचाई 5,870 मीटर से लेकर 7,132 मीटर तक की है और सरकार के कदम से सीमित आर्थिक गतिविधि वाले क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित होने की उम्मीद है। पर्यटन विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इसका उद्देश्य दूरदराज के इलाकों में ज़्यादा पर्यटकों को लाना, रोज़गार पैदा करना और स्थानीय समुदायों के लिए आय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से नेपाल के ऐसे पर्वतीय स्थलों को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी जहां पर्वतारोही कम जाते हैं। सरकार ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि माउंट एवरेस्ट को फतह करने का प्रयास करने वाले पर्वतारोहियों के लिए पहले कम से कम 7,000 मीटर ऊंची एक चोटी पर चढ़ना अनिवार्य कर दिया जाए। यह प्रस्ताव पर्यटन अधिनियम में संशोधन का हिस्सा है।

ऑफ बीट

भविष्य के आहार में आयरन जैसे तत्वों की कमी होगी

आयरन की कमी दुनिया भर में पोषक तत्वों की कमी के सबसे आम रूपों में से एक है। जैसे-जैसे लोग वनस्पति आधारित आहार अपनाने पर विचार करेंगे, आयरन की कमी का खतरा बढ़ने की संभावना होगी। इससे पता चलता है कि अगर खाद्य उत्पादन और आपूर्ति के 'वैश्विक पैटर्न' नहीं बदले, तो 2040 तक आहार में आयरन की कमी हो सकती है। इसका मतलब है कि हमें अपने आहार में आयरन की कमी को दूर करना होगा। ब्रेड और अनाज जैसे सामान्य खाद्य पदार्थ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ में पहले से ही अतिरिक्त पोषक तत्व हैं। वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में अक्सर उच्च मात्रा में फाइबर और फाइटेट होते हैं, जो शरीर की आयरन को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर देते हैं। साबुत अनाज, नट, बीज, फलियां और पत्तेदार साग जैसे वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में आयरन भरपूर होता है और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन की तुलना में कम आसानी से अवशोषित होता है। मिश्रित आहार यानी सब्जियां, अनाज और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थ जैसे कुछ मछलियों, लाल मांस या मुर्गे का सेवन आयरन अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है।

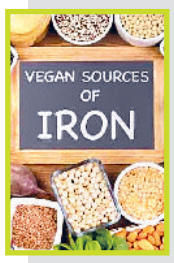

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

रोहित-विराट के संन्यास की अटकलें, ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है वनडे करियर का फेयरवेल!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रोहित और विराट इसी साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम इंडिया का हिस्सा हो सकते हैं। कोहली और रोहित के लिए ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है। अटकलें लगाई जा रही है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे से भी संन्यास लेने जा रहे हैं? शर्मा और कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद एक साथ इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। इंग्लैंड दौरे से पहले रोहित-कोहली ने एक हफ्ते के अंतराल में टेस्ट से भी रिटायरमेंट ले ली थी।

भारत का अगला टूर्नामेंट एशिया कप है, जो सितंबर में टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। भारत का अगला वनडे ऑस्ट्रेलिया के साथ है, जो अक्टूबर में होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये सीरीज इन दोनों की आखिरी वनडे

सीरीज भी साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अगर रोहित और विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी खेलना है तो उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना पड़ सकता है। ये ट्रॉफी दिसंबर के अंत में शुरू होगी। बता दें कि दोनों इस साल शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मैचों में खेले थे, क्योंकि टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने फैसला किया था कि बिना कोई ठोस कारण के अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेल रहे प्लेयर्स डोमेस्टिक टूर्नामेंट को मिस नहीं कर सकते। इसमें भी रोहित और कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, जिसके बाद दोनों ने टेस्ट से भी रिटायरमेंट ले लिया था।

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी। यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था। इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी। रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं।

जब तक अच्छा कर रहे तब तक खेलना चाहिए: गांगुली

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के एकदिवसीय रिकॉर्ड को 'असाधारण' करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारूप में तब तक खेलते रहना चाहिए जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जानकारी नहीं है। गांगुली ने कहा, 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

9 सितंबर से टी-20 एशिया कप

दुबई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी-20 एशिया कप के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में पांच कड़े टेस्ट मैचों के बाद मिला आराम टीम के लिए बहुत जरूरी था। गांगुली ने कहा, ' खिलाड़ियों को विश्राम करने का जरूरी समय मिल गया है। उन्होंने आईपीएल के बाद पांच टेस्ट खेले और अब वे नौ सितंबर से एशिया कप खेलेंगे।' उन्होंने कहा, 'भारत बहुत मजबूत है। टीम अगर टेस्ट क्रिकेट में मजबूत हैं, तो वनडे और और भी ज्यादा मजबूत है। मैं समझता हूं कि भारत जीत का दावेदार होगा और दुबई की पिचों पर उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।'

19 अक्टूबर से भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप से संन्यास ले चुके इन दोनों खिलाड़ियों ने 2027 के विश्व कप के बारे में अपनी योजनाओं को अभी तक स्पष्ट नहीं किया है। भारत का एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। भारती टीम 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखलाओं में खेलेगी।

खबर संक्षेप

अल हिलाल और नुनेज के बीच 6 करोड़ 20 लाख डॉलर का एंग्रीमेंट

लंदन। सऊदी अरब के मशहूर फुटबॉल क्लब अल हिलाल ने ब्राजील के सुपरस्टार नेमार की जगह पर उरुग्वे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डार्विन नुनेज के साथ अनुबंध किया है। अल हिलाल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले नुनेज के साथ तीन साल का अनुबंध किया है। रिपोर्टों के अनुसार यह अनुबंध छह करोड़ 20 लाख डॉलर में किया गया है। सऊदी अरब की सबसे सफल टीम अल हिलाल जनवरी में ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी नेमार को रिलीज करने के बाद एक और स्टार खिलाड़ी की तलाश में थी।

बीसीबी ने मार्शल को किया एसीयू सलाहकार नियुक्त

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के पूर्व प्रमुख एलेक्स मार्शल को अपने संचालन की देखरेख के लिए एक साल के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

बीसीबी ने मार्शल के अलावा दो और महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जूलियन वुड को तीन महीने के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है जबकि टोनी हेमिंग दो साल के लिए पिच प्रबंधन के प्रमुख का पद संभालेंगे और सभी अंतरराष्ट्रीय स्थलों और क्यूरेटर के प्रभारी होंगे।

महिला हॉकी चैंपियनशिप: हरियाणा, झारखंड फाइनल में

काकीनाड़ा। हॉकी हरियाणा और हॉकी झारखंड ने जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में रविवार को 3-0 के समान अंतर से जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। कप्तान शशि काशा (आठवें मिनट) ने दिन के पहले सेमीफाइनल में हरियाणा को छत्तीसगढ़ हॉकी के खिलाफ शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद सुप्रिया (45वें मिनट, 47वें मिनट) ने लगातार दो गोल दागकर जीत सुनिश्चित की।

भविष्य में रन बनाना जरूरी: नायर

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने इस बात पर अफसोस जताया कि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट श्रृंखला में मिली शुरुआत को वह बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए लेकिन वह समझते हैं कि इन निराशाओं को दूर करना उनके लिए भविष्य में रन बनाने के लिए जरूरी है। नायर ने आठ साल के अंतराल के बाद वापसी करते हुए चार टेस्ट मैच में 25 की औसत से 205 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। नायर ने कहा, 'मैं ओवल में मिली शुरुआत (जहां उन्होंने 57 रन बनाए) को शतक में नहीं बदल पाने से निराश था।

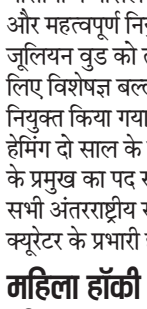

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार नौवां टी-20 जीता, डार्विन ग्राउंड पर पहली जीत

टिम डेविड की 83 रन की आतिशी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

एजेंसी ▶▶| डार्विन

टिम डेविड की आठ छक्के जड़ित 83 रन की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने डार्विन में 17 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का जश्न पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर मनाया। डेविड की 52 गेंद की शानदार पारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती सात ओवरों में पांच बड़े बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बावजूद पारी की आखिरी गेंद पर ऑल आउट होने से पहले 178 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (71) और ट्रिस्टन स्टब्स (37) के बीच चौथे विकेट की 72 रन की साझेदारी के दौरान दक्षिण अफ्रीका जीत की ओर अग्रसर लग रहा था लेकिन जोश हेजलवुड (37 रन तीन विकेट) ने 15 ओवर में दो विकेट चटकाये जिसके बाद बेन ड्वार्शुइस(26 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल ने रिकेल्टन का कमाल का कैच लपककर मैच में ऑस्ट्रेलिया की वापसी करा दी। जिम्बाब्वे दौरे के दौरान विश्राम करने वाले कप्तान एडेम मारक्रम ने पारी के पहले ओवर में हेजलवुड के खिलाफ तीन चौके जड़ शानदार आगाज किया लेकिन वह इसी ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गये।

- टिम ने लगाए 8 छक्के और 4 चौके
- अफ्रीका को 17 रन से हराया

युवा पेस सनसनी क्वेन मफाका ने चार विकेट लिए

पांचवें नंबर पर आए टिम डेविड ने चार चौके और आठ छक्के लगाए। यानी 83 में से 64 रन बाउंड्रीज से निकले। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 159.61 रहा। टिम डेविड जब बैटिंग करने आए तो ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 75/6 था। यहां से उन्होंने टीम को 164/8 तक पहुंचाया। टिम डेविड की तूफानी पारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 178 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए युवा पेस सनसनी क्वेन मफाका ने चार विकेट लिए। कागिसो रबाडा को दो तो लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे और सेनुरन मुथुसामी की झोली में एक-एक विकेट आए। मालूम हो कि साउथ अफ्रीकी टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है, जहां पहले तीन टी-20 मैच की सीरीज होगी इसके बाद इतने ही मुकाबलों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी।

मार्श ने पहली बॉल पर सिक्स लगाकर बनाया बड़ा रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 10 अगस्त को खेला गया। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का आगाज करने के लिए उनके कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड आए। मार्श ने मैच की पहली बॉल पर ही लुंगी एनगिडी के खिलाफ शानदार छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी और कप्तान एरोन फिंच के बाद टी20 मैच की पहली बॉल पर छक्का लगाने वाले मिचेल मार्श सिर्फ दूसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए हैं। फिंच ने 2022 में भारत के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर यह कारनामा किया था। हालांकि, मार्श ज्यादा देर तक पिच पर टिक नहीं पाए। वह 7 गेंद खेलकर 13 रन बनाकर आउट हो गए। मार्श ने अपनी पारी में एक छक्के के साथ-साथ एक चौका भी लगाया।

उपलब्धि

एशियाई सर्फिंग में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने बुधियाल

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत के रमेश बुधियाल ने एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में पुरुषों के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। बुधियाल इस प्रतियोगिता के पदक दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने फाइनल में 12.60 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 15.17 अंक के साथ स्वर्ण पदक, जबकि इंडोनेशिया के पजार एरियाना ने 14.57 अंक के साथ रजत पदक जीता।

ओपन महिला वर्ग में जापान की अनरी मात्सुनो (14.90 अंक) ने हमवतन सुमोमो सातो (13.70) की कड़ी चुनौती से पार पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। थाईलैंड की इसाबेल हिग्स ने 11.76 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 14.33 अंक प्राप्त कर अंडर-18 बालक वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। चीन के शिदोंग वू (13.10) और शुलोउ जियांग (8) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। लड़कियों के अंडर-18 वर्ग में चीन की सिकी यांग ने 14.50 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और उनकी हम वतन शुहान जिन (10.33) ने रजत पदक जीता। थाईलैंड की इसाबेल (8.10 अंक) ने कांस्य पदक हासिल किया।

दीक्षा ने पार स्कोर बनाया, 13वें स्थान पर रहीं

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पार 73 का स्कोर बनाया। पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर मौजूद दीक्षा अब संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर खिसक गई हैं। दीक्षा के अलावा प्रणवी उर्स और अदिति अशोक भी कट हासिल करने में सफल रहीं। प्रणवी (75-71) पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। अदिति (73-74) का कुल स्कोर एक ओवर है और वह संयुक्त 37वें स्थान पर हैं। भारत की अवनि प्रशांत (76-76) कट हासिल करने में नाकाम रहीं जो तीन ओवर पर तय किया गया था।

30 सितंबर से शुरू होगा वनडे विश्व कप

विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड ने भारत में शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप को शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है और न्यूजीलैंड की कई प्रमुख खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारी के सिलसिले में चेन्नई पहुंच गई हैं। इस दस सदस्यीय टीम में सात क्रिकेटर केंद्रीय अनुबंधित हैं और वे मुख्य कोच बेन सॉयर और सहायक कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में दो सप्ताह के शिविर में भाग ले रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम महिला टी-20 विश्व कप की मौजूदा चैंपियन है और वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में जीत हासिल करके अपने नाम पर दोहरा खिताब दर्ज करने की कोशिश करेगी।

अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में

सात अनुबंधित खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज जेस केर, युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और ऑलराउंडर ब्रुक हॉलिडे भी शामिल हैं। इनके अलावा इजी शार्प, फ्लोरा डेवोनशर और एम्मा मैकलियोड जैसी उभरती हुई खिलाड़ी भी शिविर में भाग ले रही हैं। सॉयर ने कहा कि भारत में अभ्यास शिविर लगाने का फैसला इसलिए किया गया है क्योंकि न्यूजीलैंड में अभी सर्दी का मौसम है। सॉयर ने कहा, 'इस समय न्यूजीलैंड में सर्दी का मौसम है और वहां अभी किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली जा रही है जबकि विश्व कप शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के बाद हमारे खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खिलाड़ियों को फिट बनाए रखने के लिए न्यूजीलैंड आहार विशेषज्ञ की भी मदद ले रहा है। सॉयर ने कहा, 'हमने पिछले पांच दिनों में वास्तव में कड़ा अभ्यास किया है। हम यहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' न्यूजीलैंड महिला वनडे विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

डाइविंग से बचाव...

टोरंटो। फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ एमएलएस फुटबॉल मैच के दूसरे हाफ के दौरान डाइविंग से बचाव करते हुए टोरंटो एफसी के गोलकीपर लुका गवरन।

जापान के दो मुक्केबाजों की सिर में चोट लगने से मौत

एजेंसी ▶▶| टोकियो

जापान के दो मुक्केबाजों की तोक्यो के कोराकुएन हॉल में अलग-अलग मुकाबलों में मस्तिष्क में चोट लगने के कारण मौत हो गई। पहली घटना 2 अगस्त को घटी जब 28 वर्षीय शिगेतोशी कोटारी ओरिएंटल एंड पैसिफिक बॉक्सिंग फेडरेशन के जूनियर लाइटवेट चैंपियन यामातो हाटा के खिलाफ 12 राउंड का ड्रॉ पूरा करने के तुरंत बाद बेहोश हो गए। उनकी सबड्यूरल हेमेटोमा (एक ऐसी स्थिति जिसमें मस्तिष्क और खोपड़ी के बीच खून जमा हो जाता है) के लिए आपातकालीन सर्जरी की गई थी, लेकिन शुक्रवार को उनकी मृत्यु हो गई।

पेशेवर मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था विश्व मुक्केबाजी संगठन (डब्ल्यूबीओ) ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुक्केबाजी जगत जापान के मुक्केबाज शिगेतोशी कोटारी की दुखद मौत पर शोक व्यक्त करता है। वह रिंग में योद्धा थे। उनके परिवार और जापान के मुक्केबाजी समुदाय के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं।'

पांच खिलाड़ियों ने जीते सिल्वर मेडल और 2 कांस्य पदक किए अपने नाम

निशा और मुस्कान ने जीता गोल्ड, भारत के नाम रहे 9 पदक

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

भारतीय युवा मुक्केबाजों ने अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। महिला मुक्केबाज निशा और मुस्कार ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि अन्य पांच खिलाड़ियों ने रजत पदक जीते। इस प्रतियोगिता के अंडर 19 वर्ग में भाग लेने वाली 10 महिला मुक्केबाजों में से नौ पदक जीतकर वापस लौटेंगी, जिनमें दो स्वर्ण और पांच रजत के अलावा दो कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत के अंडर-22 में पहले ही 13 पदक पक्के

विनी 60 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की सेवारा ममातोवा से हार गईं, जबकि 65 किग्रा के खिताबी मुकाबले में जापान की अरिंदा अकीमोटो ने निशा को 4-1 से हराया। पुरुष वर्ग के फाइनल में भी तीन भारतीय मुक्केबाज चुनौती पेश करेंगे। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-22 वर्ग में पहले ही 13 पदक पक्के कर लिए हैं। इसके स्वर्ण पदक के मैच सोमवार को खेले जाएंगे। भारत ने अंडर-19 और अंडर-22 वर्ग में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 40 खिलाड़ियों का दल उतारा है।

भारतीय मुक्केबाजों ने दी कड़ी चुनौती

भारतीय खिलाड़ियों ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और चीन जैसे देशों के मुक्केबाजों को कड़ी चुनौती देकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। निशा ने 54 किग्रा वर्ग में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ तीसरे और अंतिम दौर में अपने खेल के स्तर को ऊंचा करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की, जबकि मुस्कान (57 किग्रा) ने आक्रामक इरादे दिखाते हुए कजाकिस्तान की अयाझान एर्मेक की चुनौती को 3-2 के खंडित फैसले से मात दी। आरती कुमारी (75 किग्रा) को चीन की टोंगटोंग गु से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कृतिका वासन (80 किग्रा) का प्रयास कजाकिस्तान की कुरुाले येगिनबाइकिजी के खिलाफ 2:3 से हार से बचने के लिए काफी नहीं था। पारची टोकस (80+ किग्रा) को उज्बेकिस्तान की सोबिराखोन शाहोबिदिनोवा के खिलाफ इसी तरह के अंतर से हार मिली।

थल सेनाध्यक्ष उपेंद्र बोले

पाक से अगला युद्ध जल्द हो सकता है, हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साफ किया कि ऑपरेशन सरकार की रणनीतिक स्पष्टता और राजनीतिक इच्छाशक्ति से प्रेरित था। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में सेना को 'फ्री हैंड' दिए जाने की भी सराहना की

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सरकार की रणनीतिक स्पष्टता और राजनीतिक इच्छाशक्ति से प्रेरित था। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में सेना को 'फ्री हैंड' दिए जाने की भी सराहना की। थल सेनाध्यक्ष ने आईआईटी मद्रास में 'अग्निशोध' - इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (आईएआरसी) के उद्घाटन के दौरान यह बात कही थी। इसका वीडियो रविवार को सामने आया।

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने फ्रीहैंड दिया था पाकिस्तान के साथ हमने शतरंज की चाले चलीं 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात हुई थी

ऑपरेशन सिंदूर ग्रे जोन मिशन था

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने शतरंज खेला। हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम इसके जवाब में क्या करेंगे। इसे ग्रेजोन कहते हैं। ग्रेजोन का मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। हम जो कर रहे हैं वह शतरंज के खेल जैसा था। दुश्मन की अगली चाल का अंदाजा लगाना मुश्किल था। और दुश्मन भी शतरंज की चालें ही चल रहा था। किसी पल हम उन्हें शह और मात दे रहे थे। लेकिन तमाम जोखिमों के बावजूद भारत ने पाकिस्तान को शह और मात देते हुए जीत हासिल की।

25 अप्रैल को बनाई योजना

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की योजना तैयार की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरे देश को जोड़ता है। यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया? यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा- आप तय करें

जनरल द्विवेदी ने कहा कि 23 अप्रैल (पहलगाम हमले के एक दिन बाद) को जब हम सभी एक साथ बैठे। तब पहली बार रक्षा मंत्री ने साफ कहा कि बस, अब बहुत हो गया। अब कुछ करना पड़ेगा। तीनों सेना प्रमुखों का मानना था कि कुछ-न-कुछ किया जाना चाहिए। हमें खुली छूट दी गई। कहा गया कि आप (सेना) तय करें कि क्या करना है। इस तरह का आत्मविश्वास, राजनीतिक दिशा और राजनीतिक स्पष्टता हमने पहली बार देखी।

डिफेंस टेक्नोलॉजी में बड़ा कदम

आईआईटी मद्रास में 'अग्निशोध' - इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (आईएआरसी) डिफेंस टेक्नॉलॉजी में बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य सैन्य कर्मियों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और अनमैन्ड सिस्टम जैसे एरिया में कुशल बनाना है। जिससे टेक्नॉलॉजी की योग्यता रखने वाली फोर्स बनाई जा सके।

खबर संक्षेप

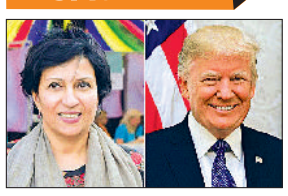

ट्रंप को थैंक्यू बोलने में क्या बुराई?: आशा

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी निवेशक और रिपब्लिकन पार्टी की इकलौती भारतीय-अमेरिकी मेगाडोनर आशा जडेजा मोटवानी ने भारत को सलाह दी है कि ट्रंप को थैंक्यू बोलने में बुराई क्या है? उन्होंने कहा कि 'ट्रंप ने अपने दो मंत्रियों को भारत और पाकिस्तान से बात करने और सीज़फ़ायर कराने की अनुमति दी थी। यह प्रयास सफल हुआ या नहीं, यह मुद्दा नहीं है, उनकी नीयत नेक थी। हमें उन्हें एक फूल और अच्छा-सा कार्ड देकर 'थैंक्यू' कहना चाहिए।

यूजर्स को पसंद नहीं आया चैटजीपीटी का नया मॉडल

नई दिल्ली। ओपनएआई द्वारा चैटजीपीटी के नए मॉडल चैटजीपीटी-5 को रोलआउट कर दिया गया है। हालांकि, यूजर्स इस नए मॉडल से कुछ खास संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं, जिसके चलते सोशल मीडिया पर यूजर्स इस मॉडल के खिलाफ जमकर पोस्ट कर रहे हैं। ओपनएआई से सीईओ सैम ऑल्टमैन ने नए मॉडल को लॉन्च करते हुए इसकी तुलना एक पीएचडी लेवल एक्सपर्ट से की थी जो हर क्षेत्र से जुड़े सवालों का जवाब दे सकता है।

हथियार डिपो में धमाका 6 सैनिकों की मौत

बेरूत। लेबनानी सेना के एक हथियार डिपो में हुए धमाके में छह लोगों की मौत हो गई है। लेबनानी सेना ने शनिवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। घटना दक्षिणी लेबनान के वादी जिबकान इलाके की है। धमाके की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है और इसकी जांच की जा रही है। लेबनानी सेना, संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के साथ मिलकर दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों को खत्म करने में जुटी है। हालांकि हिजबुल्ला द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है।

अमेरिका में तूफान से एक की मौत, फरार हुए कैदी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्वी नेब्रास्का में आए तेज तूफान ने एक महिला की जान ले ली और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। नेब्रास्का की राजधानी लिंकन में तूफान के चलते राज्य जेल की दो आवास इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे 387 कैदी फरार हो गए। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि नेब्रास्का के टू रिवर्स पार्क में एक गाड़ी पर पेड़ गिर गया जिससे गाड़ी में सवार महिला की मौत हो गई। और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

कांग्रेस पर उठाया सवाल

भड़के पूर्व राजदूत केपी ने कहा कांग्रेस का बयान गैरजिम्मेदाराना

कांग्रेस चीजों को गहराई से नहीं समझ रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के ऑपरेशन सिंदूर पर किए गए खुलासे को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए थे। इसे लेकर पूर्व राजदूत केपी फैबियन ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिम्मेदारी भरा काम नहीं कर रही है। वह चीजों को गहराई से समझ नहीं रही है। उन्होंने कहा कि वायुसेना प्रमुख का बयान हमें आश्वस्त करने वाला है।

■ वायुसेना प्रमुख का बयान आश्वस्त करने वाला

मगर अब कुछ लोग रणनीति, ग्रे जोन या अन्य क्षेत्रों के गहन ज्ञान के बजाय सामान्य ज्ञान पर भरोसा करते हुए फिर से पूछेंगे कि यह सब कब हुआ? युद्ध तीन महीने पहले 10 मई को समाप्त हो गया था। हमें अब क्यों बताया जा रहा है? वायुसेना प्रमुख या सेना प्रमुख को हमें ये बातें बताने से किसने रोका था?

भारत का मकसद सर्जिकल स्ट्राइक था

उन्होंने कहा कि मुझे डर है कि कांग्रेस जिम्मेदारी से पेश नहीं आ रही है। यह संघर्ष पीओके को आजाद कराने के लिए नहीं था। हमारा मकसद आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बुनियादी ढांचे पर सर्जिकल स्ट्राइक करना था। फिर पाकिस्तान हम पर हमला करके अपनी हरकतें बढ़ाएगा। फिर हमने इतनी जोरदार जवाबी कार्रवाई की कि पाकिस्तान अमेरिका जाकर रो पड़ा। अब कांग्रेस सवाल कर रही है कि पीएम मोदी राष्ट्रपति ट्रंप को झूठा क्यों नहीं कह रहे हैं; यह कूटनीतिक नहीं है। एक सरकार का मुखिया दूसरे सरकार के मुखिया को झूठा नहीं कह सकता।

भारत को तुरंत बयान देना था

पूर्व राजदूत ने कहा कि एक क्षेत्र ऐसा है जहां भारत बेहतर कर सकता था, वो यह कि जब पाकिस्तानी डीजीएमओ ने युद्धविराम की मांग की, तो भारत तुरंत बयान दे सकता था कि पाकिस्तान ने युद्धविराम की मांग की है और हम इस पर विचार कर रहे हैं। भारतीय डीजीएमओ को भारतीय नेतृत्व से सलाह-मशविरा करके हां और न में जवाब देना चाहिए था।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन ने राज्यसभा में दी जानकारी

भारत की ओमान के साथ ट्रेड डील पर बातचीत पूरी

पांच साल में 5 एफटीए पर हुए हस्ताक्षर, भारत और ओमान के संबंधों का इतिहास पुराना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और ओमान के बीच व्यापक व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी हो गई है। सरकार ने राज्यसभा में दिए एक जवाब में ये जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कांग्रेस सदस्य हेबी माथेर हिशाम द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में बताया कि भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत साल 2023 में शुरू हुई थी। अब भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर बातचीत पूरी हो गई है। हालांकि उन्होंने अभी ये नहीं बताया कि भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने का औपचारिक कार्यक्रम कब होगा। जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत और ओमान के बीच मित्रता और सहयोग का एक पुराना इतिहास है, जो आपसी विश्वास और सम्मान की नींव पर टिका है, और सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंध रहे हैं।

"केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने संसद के उच्च सदन को अवगत कराया कि भारत ने पिछले पांच वर्षों में अपने व्यापार संबंधों को मजबूत किया है और इस दौरान पांच प्रमुख मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही कई नए समझौतों पर बातचीत चल रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक

भारत ने व्यापार संबंधों को मजबूत किया

जितिन प्रसाद ने संसद के उच्च सदन को अवगत कराया कि भारत ने पिछले पांच वर्षों में अपने व्यापार संबंधों को मजबूत किया है और इस दौरान पांच प्रमुख मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही कई नए समझौतों पर बातचीत चल रही है। पिछले 5 वर्षों में जिन मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, उनमें साल 2021 में लागू भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौता, 2022 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता, साल 2024 में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता, और साल 2025 में भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता शामिल हैं।

तुर्किये और अजरबैजान पर कोई प्रतिबंध नहीं

इससे पहले जितिन प्रसाद ने लोकसभा में बताया था कि भारत ने तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार या पर्यटन गतिविधियों को निलंबित या प्रतिबंधित करने का कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के तहत भारत के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है, जिसमें स्टील, एल्युमिनियम और संबंधित उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क के संबंध में परामर्श की मांग की गई थी।

दोनों देश रणनीतिक साझेदार

जितिन प्रसाद ने कहा कि दोनों देश रणनीतिक साझेदार हैं और 1955 में राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध लगातार फल-फूल रहे हैं। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को साल 2008 में रणनीतिक साझेदारी में बदला गया।

कई देशों के साथ एफटीए पर चल रही बातचीत

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता इस साल के अंत में लागू होने की उम्मीद है। भारत-यूके समझौता भी अभी तक लागू नहीं हुआ है। इस बीच, भारत कई अन्य समझौतों पर बातचीत कर रहा है, जिनमें भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता, भारत-श्रीलंका आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता, भारत-पेरू एफटीए, भारत-चिली एफटीए, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए और यूएस के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता शामिल है।

युद्धपोत उदयगिरि और हिमगिरि नौसेना में होंगे शामिल

मुंबई। भारतीय नौसेना 26 अगस्त को दो अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत उदयगिरि (एफ 35) और हिमगिरि (एफ 34) को एक साथ नौसेना में शामिल करने की तैयारी कर रही है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख सतह लड़ाकू जहाजों को एक ही समय में विशाखापत्तनम में कमीशन किया जा रहा है। प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट्स के दूसरे जहाज, उदयगिरि को मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा बनाया गया है। उदयगिरि नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया 100वां जहाज है। वहीं हिमगिरि, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता द्वारा निर्मित पी17ए जहाजों में से पहला है।

ट्रंप को कड़ा जवाब देने की तैयारी

अब टैरिफ वार पर भारत का पलटवार, 50% शुल्क संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और उससे जुड़े उत्पादों पर 50% तक भारी आयात शुल्क लगाने के बाद भारत अब पलटवार की तैयारी में है। खबर के मुताबिक, सरकार चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर उतने ही अनुपात में टैरिफ लगाने पर विचार कर रही है, जितना नुकसान भारतीय निर्यातकों को हुआ है। अगर यह कदम उठाया गया, तो यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी पर भारत का पहला औपचारिक जवाब होगा। यह विवाद फरवरी में शुरू हुआ, जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय स्टील और एल्युमिनियम पर 25% टैरिफ लगाया। फिर इसे बढ़ाकर 50% कर दिया गया, जिससे करीब 7.6 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ा। भारत ने विश्व व्यापार संगठन में दलील दी कि अमेरिका की यह कार्रवाई 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के नाम पर लगाई गई सेफगार्ड ड्यूटी है, जो डब्ल्यूटीओ नियमों के खिलाफ है। अमेरिका ने इस मामले पर बातचीत से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत ने डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत जवाबी कार्रवाई की कानूनी तैयारी शुरू कर दी।

पीएम नेतन्याहू पीछे हटने को तैयार नहीं

इजराइल के गाजा पर कब्जे की योजना का ट्रंप ने किया समर्थन

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर कब्जे की योजना का समर्थन किया है। हालांकि इजराइल की इस योजना की आलोचना भी हो रही है। यही वजह है कि ट्रंप ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह इजराइल की योजना है न कि अमेरिका की। ट्रंप ने गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के लिए समर्पित रहने की बात कही, लेकिन इजराइल के गाजा में ऑपरेशन की आलोचना भी नहीं की। ट्रंप ने इजराइल के गाजा प्लान पर कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा नहीं कह सकता, ये इजराइल पर निर्भर करता है। हाल ही में इजराइली सुरक्षा परिषद ने गाजा पर कब्जे को मंजूरी दी थी।

एकजुट होकर काम करें मुस्लिम देश

तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने इजराइल के फैसले कर निंदा करते हुए कहा कि सभी मुस्लिम देशों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। मिस्र ने भी इजराइल के फैसले की निंदा की। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) समिति ने कहा कि इजराइल की योजना एक खतरनाक और अस्वीकार्य वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और अवैध कब्जे को मजबूत करने का प्रयास है। यह शांति के किसी भी अवसर को नष्ट कर देगा।

इजराइली सेना ने शुरू किया 'डॉन' अभ्यास

हमास और हिजबुल्ला को जवाब दे रही इजराइल की सेना अब बड़े हमलों का जवाब देने के लिए तैयार हो रही है। इजराइल रक्षा बलों ने रविवार को अपने मुख्यालय और मुख्य कमांड केंद्रों की तैयारी का परीक्षण करने के लिए अचानक डॉन अभ्यास शुरू किया। इस अभियान की कमान चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल इयाल जमीर कर कर रहे है।

इटली के राजदूत ने बताई भारत की अहमियत, बोले

आईएमईसी परियोजना नई दिल्ली के बगैर संभव ही नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत व्यापार, ऊर्जा और डेटा कनेक्टिविटी के क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी

भारत को यूरोप से जोड़ने वाले महत्वकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के लिए भारत बेहद अहम है। भारत में इटली के राजदूत फ्रांसेस्को टालो का ये कहना है। टालो ने कहा कि भारत एक बड़ा बाजार और उत्पादक देश है। उन्होंने कहा कि आईएमईसी प्रोजेक्ट व्यापार, ऊर्जा और डेटा कनेक्टिविटी के बारे में है और इन तीनों ही सेक्टर में भारत प्रमुख खिलाड़ी है।

डिजिटल कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका

टालो ने कहा कि ब्लू रमन नामक एक केबल (परियोजना) है, जो मुंबई को भूमध्य सागर में इतालवी बंदरगाह जेनोआ से जोड़ेगी, और फिर जेनोआ से पूरे यूरोप को जोड़ेगी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि डेटा व्यावहारिक रूप से 21वीं सदी का ईंधन है। उन्होंने भौतिक कनेक्टिविटी के अलावा डिजिटल कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया, जो डेटा केंद्रों को सशक्त बनाने में मदद करेगी और हमारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हमारी तकनीकों और समग्र अर्थव्यवस्था को और अधिक संभावनाएं और मजबूती प्रदान करेगी।

भारत और यूरोप जुड़ेंगे

भारत, सऊदी अरब और यूरोप को एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और शिपिंग नेटवर्क से जोड़ेगा। इसका उद्देश्य एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच एकीकरण सुनिश्चित करना है। सितंबर 2023 में दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में इस परियोजना को अंतिम रूप दिया गया था। टालो ने कहा कि इस महत्वकांक्षी परियोजना की शुरुआत बहुत उम्मीदों के साथ की गई थी। वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से उत्पन्न अस्थिरता और के बीच ऐसी परियोजना की खास जरूरत है।

डेटा 21वीं सदी का ईंधन

टालो ने कहा कि भारत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक विशाल बाजार है। यह एक बड़ा उत्पादक देश है। इसलिए, दोनों ही पहलुओं से, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह परियोजना व्यापार, और वस्तुओं के आदान-प्रदान, साथ ही ऊर्जा और डेटा से भी संबंधित है। और भारत इन तीनों क्षेत्रों में अग्रणी है। इसलिए, बेशक, भारत महत्वपूर्ण है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25